डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -09 अंक -85 | प्रयागराज, मंगलवार 06 जून,2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

श्वेता नींझावन् फिल्म कलाकार...

सिनेमाःजब रेखा ने भरी महफ़िल में...

संक्षिप्त समाचार

तीर्थयात्रियों की संख्या 20 लाख के पार, केदारनाथ के लिए 15 जून तक पंजीकरण रोका गया

नई दिल्ली। उत्तराखंड पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने रविवार को कहा कि इस मौसम के दौरान चार धाम यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या केदारनाथ धाम में 7.13 लाख के साथ अधिकतम भीड़ के साथ 20 लाख को पार कर गई है। चार धाम यात्रा के लिए चार जून तक 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराया है। पर्यटन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार मौसम साफ होने पर प्रतिदिन 60 हजार से अधिक तीर्थयात्री केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के दर्शन कर रहे हैं। चारधाम यात्रा 22 अप्रैल को अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर शुरू हुई। अक्षय तृतीया के शुभ दिन 22 अप्रैल को गंगोत्री और यमुनोत्री के कपाट भक्तों के लिए खोले गए। केदारनाथ धाम के कपाट 25 अप्रैल और बद्रीनाथ धाम के कपाट 27 अप्रैल को खुले। सरकार के मुताबिक अब तक सबसे ज्यादा 7.13 लाख तीर्थयात्री बाबा केदारनाथ के दर्शन कर चुके हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट से मनीष सिसोदिया को झटका, अंतरिम जमानत देने से किया इंकार

नई दिल्ली।दिल्ली उच्च न्यायालय ने कथित दिल्ली आबकारी नीति मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की छह सप्ताह की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी। अदालत ने सिसोदिया को अपनी पत्नी से एक दिन के लिए, उनकी सुविधानुसार, आवास पर या अस्पताल में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे के बीच मिलने की अनुमति दी है। कोर्ट ने कहा कि मनीष सिसोदिया को जमानत देने के लिए राजी करना इस अदालत के लिए बहुत मुश्किल है। हालांकि, हम निर्देश देते हैं कि उन्हें (मनीष सिसोदिया) निवास या अस्पताल ले जाया जाए जहां श्रीमती सिसोदिया हैं। उन्हें सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे के बीच अस्पताल/निवास पर ले जाया जाए। कोर्ट ने कहा कि इस अवधि के दौरान, याचिकाकर्ता अपने परिवार के सदस्यों को छोड़कर किसी और के साथ बातचीत नहीं करेगा। आदेश में कहा गया है कि दिल्ली पुलिस को यह सुनिश्चित करने का निर्देश है कि सिसोदिया जहां अपनी पत्नी से मिलने जाते हैं वहां मीडिया का जमावड़ा नहीं हो।

भीषण रेल हादसे के तीन दिनों बाद ओडिशा में फिर मालगाड़ी पटरी से उतरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओडिशा में जहां अब तक के सबसे बड़े रेल हादसे ने भारत तो गमगीन कर दिया वहीं केवल तीन दिन बाद ही ओडिशा के बरगढ़ जिले से एक और रेल की दुर्घटनाग्रस्त होने की खबरें आ रहा हैं। ओडिशा के बरगढ़ जिले में सोमवार को एक मालगाड़ी पटरी से उतर गई। यह घटना ठीक तीन दिन बाद हुई। इससे पहले राज्य के बालासोर जिले में एक बड़ी रेल दुर्घटना में 275 लोगों की मौत हो गई थी।

एनआई पर जारी किए गये एक वीडियो में देखा जा सकता है कि माल गाड़ी पटरी से उतर गयी हैं। ओडिशा में बारगढ़ जिले के मेंधापाली के पास एक निजी

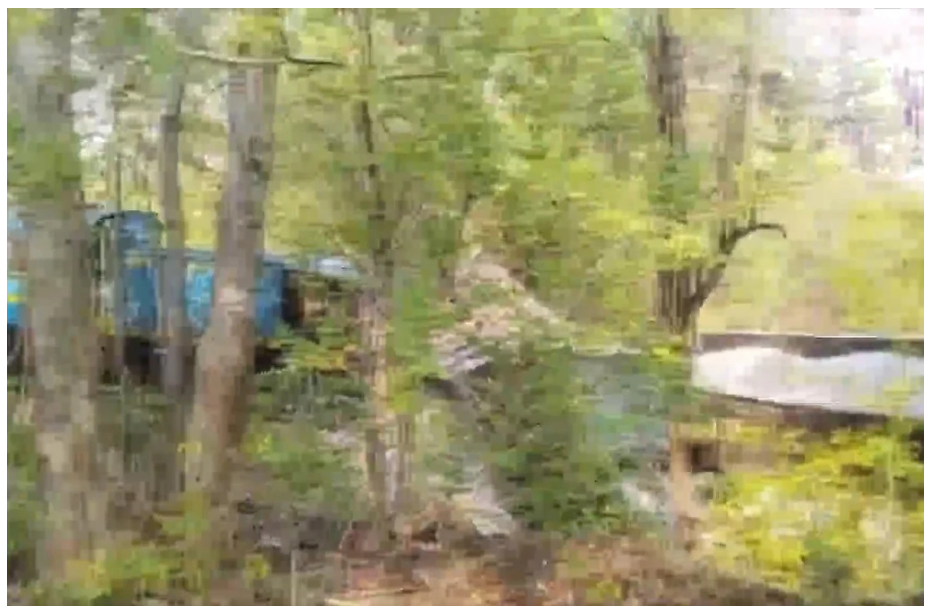

सीमेंट फैक्ट्री द्वारा संचालित मालगाड़ी के कुछ डिब्बे फैक्ट्री परिसर के अंदर पटरी से उतर गए। इस मामले में रेलवे की कोई भूमिका नहीं।

ईस्ट कोस्ट रेलवे ने कहा, 'यह पूरी तरह से एक निजी सीमेंट कंपनी की नैरो गेज साइडिंग है। कंपनी द्वारा रोलिंग स्टॉक, इंजन, वैगन, ट्रेन ट्रैक (नैरो गेज) सहित सभी बुनियादी ढांचे का रखरखाव किया जा रहा है।'

दुर्घटना में बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस और शालीमार-चेन्नई सेंट्रल कोरोमंडल एक्सप्रेस शामिल थी, जो लगभग 2,500 यात्रियों को ले जा रही थी, और एक मालगाड़ी थी और कोलकाता से लगभग 250 किमी दक्षिण में बालासोर में बहानगा बाजार स्टेशन के पास शुक्रवार को शाम 7 बजे हुई। भुवनेश्वर से 170 किमी उत्तर में।

दुर्घटना में इक्कीस कोच पटरी से उतर गए और गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे सैकड़ों यात्री फंस गए। दोनों यात्री ट्रेनें तेज गति से चल रही थीं और विशेषज्ञों द्वारा इसे हताहतों की उच्च संख्या के मुख्य कारणों में से एक बताया गया है।

किसानों को मुफ्त बिजली देने के लिए प्रतिवर्ष 12,000 करोड़ रुपये खर्च कर रही तेलंगाना सरकार : राव

निर्मल। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार राज्य में किसानों को मुफ्त बिजली मुहैया कराने के लिए सालाना 12,000 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। मुख्यमंत्री ने यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि तेलंगाना में विधानसभा चुनाव के बाद खाद्य प्रसंस्करण उद्योग पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। राव ने कहा, "किसान समुदाय को मजबूत करने और कृषि को एक लाभकारी उद्यम बनाने तथा किसानों के चेहरों पर मुस्कान लाने के लिए सरकार किसानों को मुफ्त बिजली देने के लिए सालाना 12,000 करोड़ रुपये खर्च कर रही है।'उन्होंने कहा कि यदि कोई विपक्षी दल सत्ता में आते हैं, तो भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) द्वारा संचालित प्रमुख योजनाएं जैसे मुफ्त बिजली, किसानों के लिए रायतु बंधु वित्तीय सहायता और अनुसूचित जाति के सदस्यों के लिए उद्यम शुरू करने के लिए दलित बंधु जैसी योजनाएं बंद कर दी जाएंगी। मुख्यमंत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, "लोगों को तय करना चाहिए कि जो पार्टी इन योजनाओं को खत्म करेगी वह सत्ता में आए या हम (बीआरएस) सत्ता में बने रहें। "राव ने कहा," कांग्रेस पार्टी के नेता कह रहे हैं कि धरणी पोर्टल बंगाल की खाड़ी में फेंक दिया जाएगा। वे फिर से चाहते हैं कि बिचौलिये प्रवेश करें अगर धरणी पोर्टल को हटा दिया गया तो क्या सभी कल्याणकारी योजनाएं आप तक पहुंचेंगी?" उन्होंने कहा कि धरणी पोर्टल शुरू होने के बाद, कृषि भूमि पंजीकरण केवल 15 मिनट में पूरा किया जा रहा है। गौरतलब है कि तेलंगाना में कांग्रेस के नेता कहते रहे हैं कि सत्ता में आने पर धरणी पोर्टल को बंगाल की खाड़ी में फेंक दिया जाएगा (बंद कर दिया जाएगा)।

अखिलेश यादव का भाजपा पर वार, बोले- 2024 में इनका उत्तर प्रदेश और देश, दोनों जगह से हो जाएगा सफाया

लखनऊ (एजेंसी)। 2024 चुनाव को लेकर राजनीति तेज होती दिखाई दे रही है। एक ओर जहां विपक्षी दल एक मजबूत गठबंधन की कवायद में जुटे हैं तो वहीं भाजपा लगातार सरकार के कामकाज लोगों तक पहुंचा रही है और मोदी सरकार की उपलब्धियां बता रही। इन सब के बीच उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने दावा किया है कि 2024 में भाजपा का देश से सफाया हो जाएगा। सपा प्रमुख अखिलेश यादव लखीमपुर खीरी के दौरे पर थे।

अखिलेश यादव ने कहा कि यह जो ट्रिपल इंजन का सपना दिखा रहे थे, वह ट्रिपल इंजन भिड़ गए। उन्होंने दावा किया कि इनके (भाजपा) सांसद पुलिस को पीट रहे हैं। सरकार अपराधियों को बचा रही है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि 2024 में भाजपा का

उत्तर प्रदेश और देश दोनों से सफाया हो जाएगा। अखिलेश यादव ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा भेदभाव करती है, भाजपा के नेता चाहे जितनी गुण्डई, बदमाशी करें उन पर कार्रवाई नहीं होती है। भाजपा सरकार में उनकी पार्टी के लोगों के सौ खून माफ हैं, वहीं गरीब, पिछड़ा, मुसलमान और समाजवादी लोगों पर बुल्डोजर चलाया जाता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए अखिलेश ने कहा कि मुख्यमंत्री जी को साड़ी के कारोबार और बुनकर भाइयों की समस्या के समाधान से कोई लेना देना नहीं है। उन्हें बस नर्सरी याद आती है और अपने आप को भूल जाते हैं कि उन पर कौन-कौन से मुकदमे थे। उन्होंने कहा कि बीजेपी की पूरी सरकार बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ की बात करते थे। आज जब पहलवान बेटियां धरने पर बैठी है तो इनका नारा कहां है? इनका नारा केवल इसलिए था कि नारियों, बेटियों से वोट मिल जाए।

'केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे का पहलवानों के प्रदर्शन को लेकर दिया गया बयान बचकाना'

मंगलुरु। कांग्रेस नेता मंजूनाथ भंडारी ने शनिवार को केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे के उस बयान को बचकाना करार दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि दिल्ली में पहलवानों के प्रदर्शन को अंतरराष्ट्रीय समर्थन मिल रहा है। कर्नाटक विधान परिषद् के सदस्य भंडारी ने रविवार को उडुपी में संवाददाताओं से कहा कि उनके (करंदलाजे के) बयान ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में हार के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं की हताशा को उजागर कर दिया है। उन्होंने कहा कि अगर पहलवानों का आंदोलन अंतरराष्ट्रीय समर्थन से चल रहा है तो केंद्र सरकार इसकी जांच करा सकती है। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री करंदलाजे द्वारा कर्नाटक में कांग्रेस की चुनावी गारंटी पूरा करने के लिए धन के स्रोत पर टिप्पणी किये जाने के बारे में भंडारी ने कहा कि राज्य सरकार को पता है कि वादे कैसे पूरे करने हैं।

राजनाथ सिंह से मुलाकात के बाद बोले अमेरिकी रक्षा सचिव तेजी से बढ़ रही है भारत-अमेरिका की वैश्विक रणनीतिक साझेदारी

नई दिल्ली अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड जे. ऑस्टिन आईआईआई भारत दौरे पर हैं। आज उन्होंने भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की है। इस मुलाकात के बाद उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि भारत-अमेरिका की वैश्विक रणनीतिक साझेदारी तेजी से बढ़ रही है। अपने बयान में उन्होंने चीन का भी नाम लिया। अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड जे. ऑस्टिन छ्ठ ने कहा कि मेरे मित्र राजनाथ सिंह से दोबारा मिलकर बहुत खुशी हुई और अमेरिका-भारत रक्षा संबंधों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उनके नेतृत्व ने गहन सहयोग, संयुक्त अभ्यास और के लिए मार्ग प्रशस्त करने में मदद की है।

अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड जे. ऑस्टिन छ्ठ ने दिल्ली में कहा कि भारत-अमेरिका की वैश्विक रणनीतिक साझेदारी तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका साझेदारी एक मुक्त और खुले भारत-प्रशांत की आधारशिला है। हमने अमेरिका-भारत रक्षा औद्योगिक सहयोग के लिए एक महत्वाकांक्षी रोडमैप स्थापित किया है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि हम तेजी से बदलती दुनिया का सामना कर रहे हैं। हम चीन

की जबरदस्ती, यूक्रेन के खिलाफ रूस की आक्रामकता और आतंकवाद और जलवायु परिवर्तन जैसी अंतर्राष्ट्रीय चुनौतियों को देख रहे हैं।

लॉयड जे. ऑस्टिन छ्ठ ने कहा कि हम एक महत्वपूर्ण नई पहल, इंडस-एक्स पर भी चर्चा करते हैं, जिसका उद्देश्य अमेरिका और भारतीय रक्षा नवाचार क्षेत्रों के बीच साझेदारी को तुरत प्रारम्भ करना है। उन्होंने कहा कि हम प्रधान मंत्री मोदी की वाशिंगटन की राजकीय यात्रा के संयोजन में इंडस-एक्स के औपचारिक लॉन्च की प्रतीक्षा कर रहे हैं। हम न केवल एक साथ प्रौद्योगिकी साझा कर रहे हैं, हम एक दूसरे के साथ पहले से कहीं अधिक सहयोग कर रहे। उन्होंन कहा कि हम जानकारी साझा करने के तरीकों पर चर्चा करते हैं, साथ ही समुद्र के नीचे के क्षेत्र सहित समुद्री सहयोग में सुधार के लिए नई पहलों पर भी चर्चा करते हैं।

मौत के आंकड़ों को छिपाने का कोई इरादा नहीं : ओडिशा सरकार

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्य सचिव पी के जेना ने कहा कि उनकी सरकार का बालासोर ट्रेन हादसे में मौत के आंकड़ों को छिपाने का कोई इरादा नहीं है और पूरा बचाव अभियान सभी की नजरों के सामने चल रहा है। मृतकों की संख्या में हेरफेर के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि ओडिशा सरकार पारदर्शिता में विश्वास रखती है। जेना ने कहा, "दुर्घटनास्थल पर शुरुआत से ही मीडियाकर्मी मौजूद हैं। सब कुछ कैमरों के सामने हो रहा है।" जेना ने कहा, "रेलवे ने मृतकों की संख्या 288 बतायी है। हमने भी यही कहा है और यह संख्या रेलवे से मिली सूचना पर आधारित है। लेकिन, हमारे बालासोर के जिलाधिकारी ने मृतकों की संख्या की पुष्टि की और रविवार सुबह 10 बजे तक यह संख्या 275 थी।"

मृतकों की संख्या में बदलाव के बारे में पूछे जाने पर मुख्य सचिव ने कहा कि कुछ शवों को दो बार गिन लिया गया था। उन्होंने कहा कि दुर्घटनास्थल पर मीडियाकर्मियों के प्रवेश पर भी कोई पाबंदी नहीं थी। उन्होंने कहा, "बचाव और यहां तक कि मरम्मत का काम भी सभी के सामने किया

गया।" गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मौत के आंकड़ों पर सवाल उठाते हुए कहा था कि उनके राज्य के 61 लोगों की मौत हुई है और 182 अब भी लापता हैं। उन्होंने रविवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूछा, 'अगर एक राज्य के ही 182 लोग लापता हैं और 61 लोगों की मौत की पुष्टि हो गई है, तो आंकड़े कैसे सही हैं?'

वहीं, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बनर्जी के आरोपों के संबंध में पत्रकारों के किसी भी सवाल का जवाब देने से इनकार कर दिया।

मुख्य सचिव जेना ने कहा कि 275 शवों में केवल 108 की शिनाख्त हो सकी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सभी शवों की पहचान करना चाहती है ताकि उनका अंतिम संस्कार उनके परिवार के सदस्यों द्वारा किया जाए। जेना ने कहा, "भीषण गर्मी के कारण शव तेजी से क्षत-विक्षत हो रहे हैं। अतः कानून के अनुसार राज्य अंतिम संस्कार के लिए अधिकतम दो और दिन का इंतजार कर सकता है।

दिल्ली में आठ वर्ष में विकास की गति मंद नहीं पड़ी लेकिन प्रदूषण जरूर कम हो गया : केजरीवाल

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में पिछले आठ वर्ष में विकास की गति धीमी नहीं पड़ी है लेकिन प्रदूषण का स्तर का स्तर जरूर कम हो गया है। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर त्यागराज स्टेडियम में एक कार्यक्रम में केजरीवाल ने कहा कि शहर में 2016 के मुकाबले 2022 में पीएम 2.5 और पीएम 10 दोनों का स्तर "30 प्रतिशत तक गिर गया है।" उन्होंने कहा कि जब भी विकास होता है तो पेड़ों को काटने, सड़क निर्माण, धूल उड़ने समेत अन्य वजहों से प्रदूषण भी होता है। आंकड़े साझा करते हुए उन्होंने कहा कि 2016 में प्रदूषण का स्तर 26 दिन तक 'बहुत खराब' रहा जब शहर "गैस चैम्बर के समान" बन गया था।

लोकसभा अध्यक्ष ने किया पौधारोपण

कहा-विश्व के समक्ष जलवायु परिवर्तन एक गंभीर चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज विश्व पर्यावरण दिवस है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर संसद भवन परिसर में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पौधारोपण किया। इस दौरान उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आज विश्व के समक्ष जलवायु परिवर्तन एक गंभीर चुनौती है। उन्होंने लोगों को ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने की भी अपील की। अपने बयान में लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रकृति के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक है। इसके साथ ही उन्होंने लोगों से कहा कि आज के दिन हम जल, जंगल, जमीन को सहेजने का संकल्प करें। उन्होंन लोगों से प्लास्टिक का उपयोग बंद करने की भी अपील की।

बिरला ने कहा कि आज विश्व के समक्ष जलवायु परिवर्तन की गंभीर चुनौती है। उन्होंने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें इसी चुनौती की याद दिलाता है। प्रकृति के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज के दिन हम जल, जंगल, जमीन को सहेजने का संकल्प करें। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की रक्षा और हर तरह के प्रदूषण को दूर करें। इसके साथ ही उन्होंने प्लास्टिक का उपयोग बंद करने का संकल्प दोहराया। वहीं, अपने एक ट्वीट में उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन की गंभीर चुनौतियों के बीच विश्व पर्यावरण दिवस हमें याद दिलाता है कि प्रकृति के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।

ओम बिरला ने आगे कहा कि आज के दिन हम जल, जंगल, जमीन को सहेजते हुए पर्यावरण की रक्षा, हर तरह के प्रदूषण को दूर करने और प्लास्टिक का उपयोग बंद करने का संकल्प दोहराएं। वहीं, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लोगों से स्वच्छ, जैव विविधता से भरपूर तथा सुंदर ग्रह के लिए अपनी दैनिक गतिविधियों को पर्यावरण के अनुकूल बनाने का आग्रह किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने

आज विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर लोगों से यह आग्रह किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत वर्तमान आवश्यकताओं और भविष्य के दृष्टिकोण के बीच संतुलन बनाए रखते हुए पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के लिए एक स्पष्ट रोडमैप के साथ आगे बढ़ रहा है।

जिलाधिकारी ने नये यमुना पुल पर चल रहे मरम्मत कार्य का किया निरीक्षण

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। जिलाधिकारी ने वाहनों के आवागमन में कोई गतिरोध न हो, इसके लिए व्यापक प्रबंध करने के दिए निर्देशजिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री ने सोमवार को नये यमुना पुल पर चल रहे मरम्मत कार्य का निरीक्षण किया तथा वहां पर यातायात की व्यवस्था को देखा। जिलाधिकारी ने इंजीनियरों, सेतु निगम एवं सम्बंधित अधिकारियों से मरम्मत कार्य की विस्तार से जानकारी लेते हुए मरम्मत के कार्य का कितना भाग कब तक पूर्ण होगा तथा मरम्मत कार्य के साथ यातायात की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के

लिए कहा है, जिससे कि वाहनों के आवागमन में कोई गतिरोध न पैदा हो तथा जाम की स्थिति न बनने पाये। जिलाधिकारी ने सेतु निगम के अधिकारियों को चालू लेन के मध्य में बैरियर तथा रस्सी लगाने के निर्देश दिए है, जिससे कि वाहन अपनी ही लेन में चले तथा ओवरटेकिंग न करने पाये।

जिलाधिकारी ने एस0पी0 ट्रैफिक व टीआई को चुंगी चैराहा व नैनी चैराहा पर किसी भी स्थिति में वाहनों के खड़े होने से जाम की स्थिति न पैदा होने पाये, के लिए कहा हैं। जिलाधिकारी ने नये यमुना ब्रिज पर यातायात के नियंत्रण हेतु समुचित संख्या में कर्मियों की ड्यूटी लगाये जाने के निर्देश दिए है। इस अवसर पर एडीएम सिटी श्री मदन कुमार, एस0पी0 ट्रैफिक, सेतु निगम व अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

इंडियन डेंटल एसोसिएशन प्रयागराज द्वारा सिविल लाइन्स के होटल में सीडीई कार्यक्रम का आयोजन किया गया

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। विख्यात दंत चिकित्सक श्रेय धवन द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया ।कार्यक्रम में आईडीए के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ प्रदीप अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थित रहे ।कार्यक्रम का शुभारंभ आईडीए उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष डॉ अमित शुक्ला, प्रयागराज अध्यक्ष डॉ रंजन बाजपेइ सचिव डॉ सचिन प्रकाश,प्रयागराज के सचिव डॉ मनोज मिश्र , कन्वीनर डॉ मनीष राज एवं वरिष्ठ दंत चिकित्सक डॉ विक्रम मालिक ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया ।

ब्राजील से लेजर तकनीक में प्रशिक्षण हासिल करने वाले डॉ धवन ने अपने व्याख्यान में रूट कैनाल उपचार में नई तकनीक के उपयोग पर प्रकाश डाला ।

सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष डॉ अमित शुक्ला ने खजरहो में होने वाले डेंटल कॉन्क्लेव

से संबंधित जानकारी साझा की ।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रदेश सचिव डॉ सचिन प्रकाश ने दंत चिकित्सक वेलफेयर फंड के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ मनीष राज ने धन्यवाद ज्ञापन दिया । कार्यक्रम में आईडीए पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ अमरजीत गुलेरी प्रयागराज के अध्यक्ष डॉ रंजन बाजपेई पूर्व अध्यक्ष डॉ आलोक त्रिपाठी , डॉ असद बेग एवं डॉ कविता शुक्ला ,निर्वाचित अध्यक्ष डॉ संदीप शुक्ला ,राज्य प्रतिनिधि डॉ आर एस मौर्य डॉ नदीम जावेद डॉ आशुतोष चौधरी , डॉ विनोद वर्मा डॉ विवेक जैसवाल डॉ शैलेंद्र प्रताप सिंह आदि उपस्थित रहे।

एसडीएम फूलपुर के साथ अधिवक्ताओं की हंमामी बैठक

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। फूलपुर तहसील में अधिकारी कर्मचारी गण के तानाशाही रवैए के खिलाफ अधिवक्ता संघ अध्यक्ष प्रकाश चंद यादव की अध्यक्षता में मीटिंग हाल में हंगामी मीटिंग बुलाकर ज्वलंत मुद्दों पर उपजिलाधिकारी फूलपुर तहसीलदार व नायब तहसीलदार तथा समस्त आर के प्रभारी कंप्यूटर खतौनी आदि के तानाशाही व भ्रष्टाचार के खिलाफ खचा खच भरे हाल में अपनी अपनी बातें रखी और तहसील में व्याप्त समस्याओं से सबको अवगत कराया। दूसरी तरफ अधिवक्ताओं के एक गुट ने शमीम अहमद सिद्दीकी वरिष्ठ अधिवक्ता एवं चंद्रभान यादव आदि के नेतृत्व में एसडीएम कार्यालय में तैनात एक अनुकंपा नियुक्ति पाये कर्मी के विरुद्ध नारेबाजी की गई। फिलहाल एसडीएम ने अधिवक्ताओं के हर बिंदुओं को नोट कर उसको संज्ञान में लेने की बात कही। मौके पर अधिवक्ता संघ के सम्मानित पदाधिकारियों के अलावा रमेश कोलाही, दिलीप आजाद, मनोज यादव, संदीप श्रीवास्तव, मोहम्मद इजहार, संतोष शुक्ला, सौरभ यादव, विक्रम सिंह प्रजापति, वीरेंद्र सिंह, बी डी तिवारी, नौशाद, नदीम जैदी, मोहम्मद इजहार, सैo जाकिर, सद्दाम हुसैन, अजय तिवारी आदि सैकड़ों अधिवक्ता मौजूद रहे।

सभासद सिराज अंसारी ने कोहना मोहल्ले में जलभराव की समस्या उठाई

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। नगर पंचायत फूलपुर का सबसे बदहाल कोहना मोहल्ला जहां से ऐतिहासिक ताजियादारी एवं दुलदुल जुलूस निकाला जाता है। वहां व्याप्त गंदगी व जलभराव की समस्या पर सभासद ने नवनिर्वाचित नगर अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी का ध्यान सोशल मीडिया पर केंद्रित करते हुए समस्याओं से छुटकारा की मांग की है। नालिया चोक होने से हवेली मोहल्ला की सड़कें तो डूबती ही हैं। ताजिया मैदान के आसपास जल भरा व फेका गया कूड़ा बजबजाने लगता है। इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर सभासद सिराज अंसारी ने नई कारिणी का ध्यान आकृष्ट किया है।

एमएसओ प्रयागराज ने कराया एक सफल एजूकेशनल कॉनक्लेव

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज।मुस्लिम स्टूडेंट्स आर्गेनाइजेशन ऑफ इंडिया, प्रयगराज की तरफ से मुस्तफा गार्डेन में तालीम पर एक शानदार कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया।जिसमें मुख्य अतिथि जामिया मिल्लिया इस्लामिया नई दिल्ली से एमएसओ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुदस्सिर अशरफी अलीगढ़, मुस्लिम यूनिवर्सिटी से मोनिश अशरफी , शंभूनाथ इंजिनियरिंग कॉलेज से नमीर अल हसन और प्रयागराज हॉस्पिटल के डायरेक्टर आरिज क़ादरी तशरीफ लाए।इस कॉन्क्लेव में अल्पसंख्यक के शिक्षा और सामाजिक स्तर पर भविष्य में क्या और कैसे योगदान हो इसपर चर्चा हुई।साथ ही इंजिनियरिंग, इनोवेशन और हेल्थकेयर सेक्टर में कैसे सुधार की जाए इस पर भी गहन चर्चा हुई।मोनिश अशरफी

ने डिप्रेशन,बेचैनी और कैरियर काउंसलिंग पर लोगों को मोटीवेट किया।इस कॉन्क्लेव में शिक्षा और समाज में उत्कर्ष योगदान देने के लिए हनीफ साहब,शाहिद कमाल खान, के.जी.एन हॉस्पिटल, प्रिम रोज़ शिक्षा संस्थान के प्रबंधक फरहान आलम को सम्मानित भी किया गया।इस कामयाब प्रोग्राम का शानदार संचालन तौसीफ इकबाल ने किया। इस मौके पर मो अहमर,शाहबाज हुसैन, मो अकरम, मो समीर, आतिफ सिद्दिकी और तमाम लोग मौजूद रहे।

रविवार को रात्रि मे संगम पर हुए हादसे में लापता पांच छात्रों में से चार छात्रों का शव बरामद हो गया,

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज।रविवार को रात्रि मे संगम पर हुए हादसे में लापता पांच छात्रों में से चार छात्रों का शव बरामद हो गया, बाकी एक शव की तलाश जारी हैं। जिन छात्रों के शव मिला है उनकी पहचान महेश्वर वर्मा पुत्र छोटे लाल वर्मा निवासी मऊ, हालपता मुट्ठीगंज चीनी मिल,सुमित विश्वकर्मा पुत्र शिवमंगल विश्वकर्मा निवासी सतना, मप्र हाल पता सीएमपी कॉलेल के पास, विशाल वर्मा पुत्र विजय वर्मा (18) निवासी मुंगेर, बिहार हाल पता दरभंगा कॉलोनी, जार्जटाउन है जब की चौथे छात्र की शिनाख्त नही हो पाई है। पुलिस जांच कर रही है कि चौथा शव उत्कर्ष कुमार गौतम पुत्र विजय कुमार निवासी सुल्तानपुर हाल पता बख्शीकला दारागंज का है या अभिषेक अग्रहरि पुत्र जगदीश अग्रहरि (17) निवासी सुल्तानपुर-हाल पता बख्शीकला दारागंज का है।पांचवे छात्र के शव को खोजने के लिए स्थानीय गोताखोरों के साथ जल पुलिस व एसडीआरएफ के जवान भी लगे हुए है।

सीधे प्रवेश
नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
15% Fee Concession
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
पहले आओ पहले पाओ
15% Fee Concession

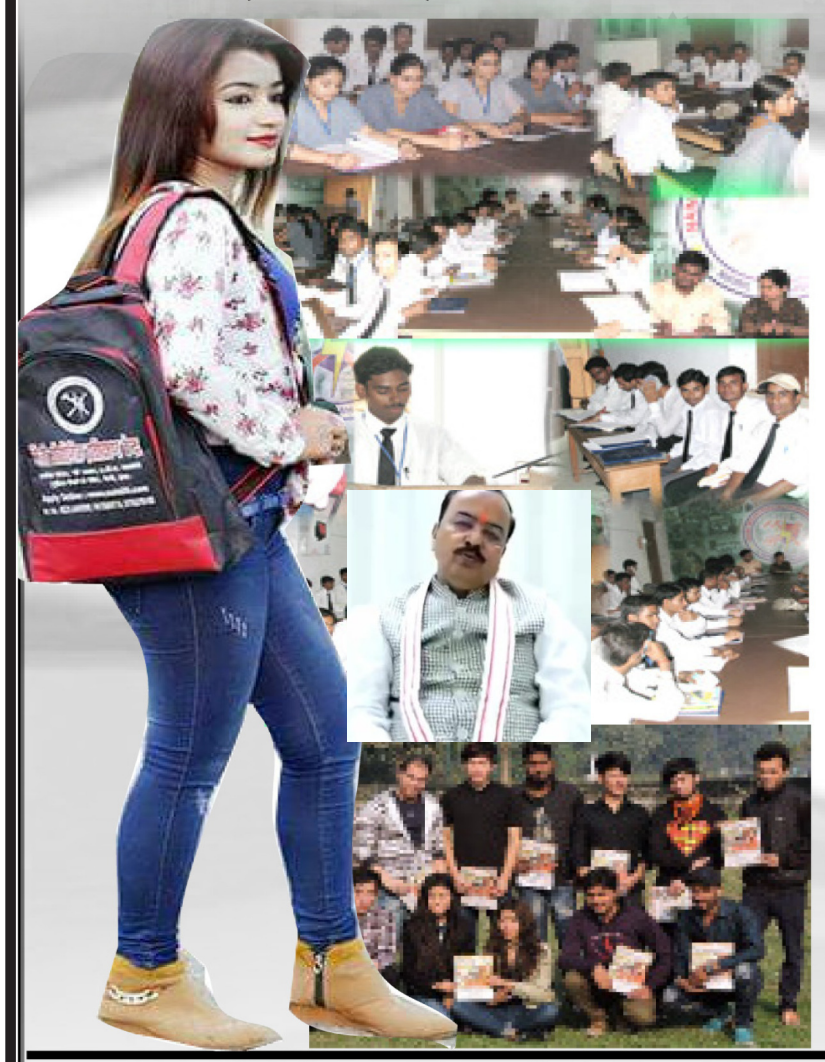

- कम्प्यूटर हार्डवेयर
- डाटा इंट्री ऑपरेटर
- फायर सेफ्टी
- कम्प्यूटर ऑपरेटर (कोपा)
- कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग
- इलेक्ट्रीशिन
- सीएनसी प्रोग्रामिंग
- इलेक्ट्रिक मैकेनिक
- बेसिक कम्प्यूटिंग
- सीसीए
- वेल्डर
- फिटर
- रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
- सिक्योरिटी सर्विस

Apply Online: www.nainiiti.com
प्रवेश हेल्पलाइन नं.:
8081180306,9415608710,8103021873
एमटेक कैम्पस, 'बी' ब्लाक, ए.डी.ए. कालोनी (पुलिस चौकी के पीछे), नैनी, प्रयागराज।
C-41 औद्योगिक थाने के पीछे औद्योगिक क्षेत्र UPSIDC नैनी, प्रयागराज।

पीएम की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाएं : अजीत रावत

भाजपा पार्टी कार्यालय पर गोष्टी कर अनुसूचित जाति मोर्चा को दी गई जानकारी

प्रधानमंत्री के 9 साल की योजनाओ का जन संपर्क के माध्यम से दे जानकारी

आधुनिक समाचार सेवा

सोनभद्र। भाजपा पार्टी कार्यालय पर प्रधानमंत्री के 9 साल पूर्ण होने पर अनुसूचित जाति मोर्चा की पदाधिकारी वह मंडल अध्यक्ष के साथ बैठक आयोजित की गई जिसमें मुख्य अतिथि अनुसूचित जाति मोर्चा के काशी क्षेत्रीय अध्यक्ष ब्लाक प्रमुख सदर अजीत रावत के नेतृत्व में आयोजित की गई।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए अजीत रावत ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 साल बेमिसाल की योजनाओं को हर घर तक पहुंचाने के लिए जनसंपर्क महा अभियान चलाया जा रहा है जिस क्रम में सोमवार को पार्टी कार्यालय पर अनुसूचित जाति मोर्चा के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर उनको दी गई जिम्मेदारी नहीं बताया गया कि सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार व लोगों के बीच जाकर उनके महत्व को बताएं और उसका लाभ दिलाए जिससे कि हर पात्र व्यक्ति को लाभ मिल सके। वही श्री रावत ने बताया कि अनुसूचित जाति मोर्चा के पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई कि अनुसूचित जाति के समुदाय के लोगों के बीच पहुंचकर योजनाओं का लाभ उन व्यक्तियों को जरूर दिलवाए जो उस से वंचित हैं और हर अंतिम पौदान तक उसका लाभ मिल सके जिसके लिए प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री द्वारा निरंतर प्रयास किया जा रहा है जिसको लेकर संगठन कार्यकर्ताओं द्वारा साकार किया जाए । वही जिलाध्यक्ष सरजू बैसवार द्वारा संगठन के पदाधिकारियों को मजबूती के साथ कार्य करने की जिम्मेदारी दी गई । इस मौके पर दीप चंद्र महतो ,पन्नालाल पासवान, नीरज कनौजिया ,पंकज गौतम, घनश्याम चौधरी, भैया लाल चौधरी ,रूपेश कुमार ,राम भरोसे, विजय भारती सहित आदि लोग मौजूद रहे।

डाला शपथ ग्रहण के बाद अधिशासी अधिकारी नगर से गायब

आधुनिक समाचार सेवा

डाला/सोनभद्र- शपथ ग्रहण के बाद अधिशासी अधिकारी नगर में उपस्तित नही हुई। ऐसे में नगर का विकास भगवान भरोसे क्यों। 27 मई को डाला बाजार नगर पंचायत में सपा द्वारा चिन्हित प्रत्यासी के शपथ ग्रहण समारोह के बाद अधिशासी अधिकारी यहां से वगैर निर्वाचित अध्यक्ष और सभासद को बताएं नगर से गायब है। नगर पंचायत के कुछ वार्डों में पानी की समस्या बहुत ही जटिल है। जहां टैंकर से पानी की सप्लाई जी जाती रही परन्तु वह भी खाना पूर्ति कर नजर अंदाज किया जाता रहा। जहां पानी की टंकी नगर की सुविधा के लिए लगा है। वही से टैंकर में भी पानी भरा जा रहा है। ऐसे में टैंकर को भरने में लागभग 4 से 5 घंटे लगते है। वही दिन भर में नगर जहां पानी की समस्या है वहां तक टैंकर नही पहुंच पाता।

इस सम्बंध में वार्ड 4 के सभसद शबाना ने बताया कि जब जिम्मेदारी लेने वाला ही कोई नही है तो व्यवस्था कैसे सुदृढ हो सके। हमने वाट्सअप के माध्यम से अधिशासी अधिकारी को डाला नगर पंचायत मे इस समय पेयजल की बहुत बड़ी समस्या है लोगों के घरों में हैण्ड पम्प लगे हैं वह भी सूख गए है आपकी नगर पंचायत डाला से दो टैंकर चल रहा है लेकिन उससे आपूर्ति नहीं हो पा रही है आपसे सादर अनुरोध है कि दो टैंकर और

किराए पर लेकर नगर पंचायत में चलवाने की कृपा करें जिससे पानी कि बहुत बड़ी समस्या से निजात मिल सके । वार्ड - 4 और वार्ड- 5 वार्ड -1 की सूचना दी है।

सफाई के नाम पर सड़क की सफाई दिखा कर सुपरवाइजर फोटो खींच जिम्मेदारी को निभा देता है। पूछने पर सुपरवाइजर ने बताया कि यह वार्ड सभासद की जिम्मेदारी है आप उनसे बात करें। सम्बन्धित वार्ड सभासद ने बताया कि अभी वर्तमान में कोई सुन नही रहा अधिशासी अधिकारी बाहर है। क्या किया जाय। नवनिर्वाचित नगर पंचायत अध्यक्ष फूलवती देवी ने बताया कि शपथ ग्रहण के बाद से अधिशाषी अधिकारी का पता नही है। अभी कोई चार्ज नही मिला कि कहा क्या हुआ है। या क्या होना है। ऐसे में मापदंडों की जानकारी में सभासद और अध्यक्ष इन्तजार में है जिम्मेदार पूर्व का हिसाब देने के बजाय गायब है।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधरोपण कर लिया गया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

आधुनिक समाचार सेवा

सोनभद्र। युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित संगठन युवक मंगल दल के कार्यकर्ताओ के द्वारा करमा ब्लाक के करकोली ग्राम पंचायत के राजस्व गाँव महुअरीया स्थित पंचायत भवन पर विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उपजिलाधिकारी घोरावल श्री रमेश कुमार के उपस्थिति मे 11 फलदार व छायादार वृक्ष लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया । वृक्षारोपण करने के बाद मुख्य अतिथि एस0 डी0 एम0 घोरावल श्री रमेश कुमार ने बताया की वृक्षारोपण करना बड़ी बात नहीं है लगाये गये वृक्षों का संरक्षण कर पाना बड़ी बात है। उन्होंने बताया की वृक्षों से हमें सिर्फ फल ही नहीं अपितु आक्सीजन छाया और लकडी भी प्राप्त होता है। पृथ्वी पर जितना अधिक वृक्षारोपण होगा उतना अधिक मानसून बनेगा और अच्छी वर्षा होंगी जिससे किसानो के साथ पशु पक्षीयों का भी दैनिक जीवन आबाद होगा। वही विशिष्ट अतिथि के रूप मे उपस्थित प्रभारी निरीक्षक करमा देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया की वर्तमान समय की स्थिति को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों मे निवास कर रहे किसानो को भी पर्यावरण संरक्षण के लिए यह संकल्प लेना चाहिए की अपने खेतो मे कम से कम पाँच पौधों की रोपाई कर उसका संरक्षण करने का काम करे। उन्होंने बताया की जिस प्रकार से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधोंरोपण का शुरुआत किया गया है। ये कारवा रुकना नहीं चाहिए इसी प्रकार से आगे भी वृक्षारोपण होते रहना चाहिए।वही वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजन के प्रमुख युवक मंगल दल के पूर्व कार्यवाहक जिलाध्यक्ष व सो0उ0वि0सेवा ट्रस्ट के संस्थापक मनोज कुमार दीक्षित ने बताया की जनपद सोनभद्र के चारो तहसील क्षेत्रों के अंतर्गत ग्राम पंचायतो का चयन कर वृक्षारोपण करवाया जायेगा जिसका शुभारम्भ महुअरिया गाँव से किया गया और सभी वृक्षों पर युवक मंगल दल के कार्यकर्ताओ का नेम प्लेट लगाकर पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी भी सौपी गई है।वही 11 पौधों की देख रेख के लिए क्रमशः युवक मंगल दल के ग्राम पंचायत अध्यक्ष शक्ति सिंह, जितेंद्र मौर्य, अंशदीप विकास अरविन्द विपिन अनिल,अतुल, शिवप्रसाद, अनुज इत्यादि लोगो को वालिंटीयर नियुक्त किया गया। वही युवक मंगल दल के जिला महामंत्री शाहिद खान व करमा ब्लाक व रावर्ट्सगंज ब्लाक के प्रभारी गुलाब प्रसाद देशमुख द्वारा कार्यक्रम मे आये हुए सभी अतिथियों व ग्रामीणों के प्रति आभार प्रकट किया गया। इस मौके पर अर्जुन शर्मा, आजहरुद्दीन, प्रमोद सिंह, विजेंद्र पटेल, मधुसूदन, बीबी लाल, इत्यादि लोग मौजूद रहे।

महादेव कप-2023 : सोनांचल, सनराइज और चैम्पियन ने अगले चक्र में किया प्रवेश

आधुनिक समाचार सेवा

सोनभद्र । घुवास कॉलोनी स्थित एवरग्रीन क्रिकेट क्लब के मैदान पर प्रथम रात्रिकालिन टी-10 महादेव कप-2023 के तीसरे दिन ओपीपी पैरामेडिकल कॉलेज के डॉयरेक्टर विशाल पांडेय, प्रधानाचार्य डॉ0 आर0के0द्विवेदी और वार्ड सभासद ओम प्रकाश यादव ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच का शुभारंभ किया।

रविवार को कुल तीन मैच खेले गए, जिसमें पहला मुकाबला सोनांचल स्पोर्टिंग क्लब और अक्छोर स्पोर्टिंग क्लब के बीच खेला गया, जिसमें टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए सोनांचल स्पोर्टिंग क्लब ने दीपक के शानदार 29 रनों की बदौलत निर्धारित 10 ओवरों में 2 विकेट खोकर 75 रनों का एक बड़ा स्कोर खड़ा किया। 76 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए अक्छोर स्पोर्टिंग क्लब निर्धारित 10 ओवरों में 55 रन ही बना सकी। सोनांचल स्पोर्टिंग क्लब के दीपक को हरफनमौला प्रदर्शन 29 रन/एक विकेट के लिए मैच का सर्वक्षेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। वहीं दूसरा मैचा सनराईज क्लब और ओम स्टार क्लब के बीच खेला गया। जिसमें टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सौरभ की कातिलाना गेंदबाजी 3 विकेट के कारण ओम स्टार की टीम महज 33 रन ही बना सकी। वहीं सनराइज की टीम ने 6 ओवरों में ही 34 रन बनाकर 3 विकेट से मुकाबला जीत लिया। सनराइज क्लब के गेंदबाज सौरभ को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। रविवार का आखिरी मैच चैंम्पियन और चुर्क के बीच खेला गया, जिसमें चैंपियन के कप्तान अमन जायसवाल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। वहीं चुर्क की टीम ने सधी शुरुआत करते हुए निर्धारित 10 ओवरों में 7 विकेट खोकर 61 रनों का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। वहीं चैम्पियन की टीम ने सुनील 28 रनों की मदद से एक विकेट खोकर ही आसानी से लक्ष्य प्राप्त कर लिया।

इस दौरान शाहिद, अनुपम, संतोष सोनी, वाहिद मैदानी एम्पायर

और हरीश व धर्मेश (छोटू) मोबाइल एम्पायर रहे, जबकि सत्यम पांडेय ने स्कोरिंग और कौस्तुभम मिश्रा व ओम सोनी ने कमेंट्री से दर्शकों का खुब मनोरंजन किया।

इस दौरान महादेव कमेटी के संरक्षक पत्रकार आनन्द कुमार चौबे, अभिषेक श्रीवास्तव, अध्यक्ष डॉ0 अनिल, आशीष श्रीवास्तव, सूर्या, मेराज फिरोज, रोहित, संजय, आशीष केशरी, सुनील विश्वकर्मा समेत भारी संख्या में दर्शकगण मौजूद रहे।

वीजा के नाम पर ठगी से बचाने के उपायों पर कार्यशाला आयोजित

आधुनिक समाचार सेवा

नोएडा भारत में प्रतिवर्ष वीजा के नाम पर तकरीबन ढाई लाख लोग ठगी का शिकार होते हैं। जानकारी के आभाव में अक्सर वीजा दिलाने का झांसा देकर एजेंट लोगों को टैग ठगी का शिकार बना लेते हैं। लोगों को इसी ठगी से बचाने के लिए ए वीजा एक्सपर्ट्स ने जन जागरूकता मुहिम चलाई है। यह जानकारी दी ए वीजा एक्सपर्ट्स के सीईओ कविश कपूर ने वह नोएडा सेक्टर 02 में वीजा की बारीकियों को समझाने के लिए बतौर मोटिवेशनल स्पीकर एक कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि ए विजा एक्सपर्ट पिछले 5 महीने में 300 से अधिक लोगों को विजा दिलवा चुकी है। उन्होंने कहा कि ए वीजा एक्सपर्ट वीजा दिलाने के नाम पर लोगों को निशुल्क सलाह देती है। उनसे एक भी पैसा चार्ज नहीं करती है। उन्होंने कहा कि यदि आपके पास सभी डॉक्यूमेंट सही है तो कभी भी ठगी का शिकार नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि एजेंट से बात करने से पहले देख ले कि वह एजेंट आईआरसीसी में रजिस्टर्ड है या नहीं। सिर्फ आईआरसीसी के रजिस्टर्ड एजेंट ही सही होते हैं। उन्होंने कहा कि यदि लोग थोड़ा सा जागरूक हो जाएं तो वीजा के नाम पर ठगी से बच सकते हैं। रविवार को आयोजित मोटिवेशनल कार्यशाला के दौरान 600 से अधिक वीजा की इच्छुक लोगों ने भाग लिया। कवीश कपूर ने लोगों को जागरूक करते हुए बताया कि विदेश जाने की जल्दबाजी में लोग ऐजेंटों के जाल में फंस जाते हैं। जबकि उन ऐजेंटों की किसी भी देश की एंबेसी में कोई जान पहचान नहीं होती लेकिन वे लोगों को गैर जरूरी कागजातों और कई तरह की परमिशन मुहैया कराने के नाम पर लाखों का चूना लगा देते हैं। जबकि वीजा के लिए सिर्फ जरूरी पांच या छह दस्वेजों की आवश्यकता होती है। साथ सॉलिसिटर की फीस के अलावा अन्य कोई खार्चा नहीं होता है। जबकि ज्यादातर एजेंट लोगों को बेवकूफ बनाने के लिए उनकी जमीन जायदात तक के पेपर उनसे ले लेते हैं। और लोग भी विदेश जाने की जल्दबाजी के चलते दर्जनों पेपर उनको मुहैया करा देते है। जिससे वे ठगी का शिकार हो जाते है। कवीश कपूर ने कहा भारत में सबसे ज्यादा ठगी के शिकार पंजाब राज्य के लोग होते हैं। जिन्हे एजेंट कनाडा या अन्य किसी देश के लिए वर्क वीजा, पीआर वीजा तथा अन्य लुभावने वादे कर ठगी का शिकार बना लेते हैं, ऐसे उन सभी लोगों को सलाह देते हुए श्री कपूर ने कहा कि सबसे पहले जिस देश का वीजा चाहिए उस देश की नियम व शर्तों के बारे सही से जानकारी हांसिल कर वहां के वीजा की सही फीस के बारे में जानकारी कर लेनी चाहिए। उसके बाद स्वंय एंबेसी जाकर या स्थाई वीजा कंपनी से वीजा एप्लाई कराना चाहिए। उन्होने कहा कि विदेशों में जो भी नोकरी के लिए अपनी जीवन भर की कमाई लुटा रहे हैं, उनकी सहायता के लिए ए वीजा एक्सपर्ट की टीम निशुल्क सलाह व मदद मुहैया कराती है। पिछले दो वर्षों में कंपनी द्वारा सैंकडों

लोगों के वीजा निर्धारित शुल्क पर बनवाए हैं। और वे लोग आराम से विदेशों की सैर और वहां कार्य कर रहे हैं। उन्होने लोगों से अपील की कि एजेंटो के बहकावे में न आकर खुद जागरूक बनें और ठगी से बचें। श्री कपूर ने कहा कि आगामी समय में भी ए वीजा एक्सपर्ट कंपनी द्वारा लोगों को जागरूक करने के लिए इस तरह के सेमिनार आयोजित करते रहेंगे।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रोपे जायेंगे पौधे

आधुनिक समाचार सेवा

करमा सोनभद्र। युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित संगठन युवक मंगल दल के बैनर तले सोमवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर करमा ब्लाक के करकोली ग्राम पंचायत के राजस्व गाँव स्थित महुअरिया पंचायत भवन पर दोपहर 2 बजे छायादार वृक्ष लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जायेगा।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी घोरावल श्री रमेश कुमार व विशिष्ट अतिथि जिला युवा कल्याण अधिकारी शशिभूषण शर्मा व प्रभारी निरीक्षक करमा देवेन्द्र प्रताप सिंह रहेंगे उक्त कार्यक्रम की जानकारी युवक मंगल दल के पूर्व कार्यवाहक जिलाध्यक्ष व सोनाँचल उत्थान एवं विधिक सेवा ट्रस्ट के संस्थापक मनोज कुमार दीक्षित व युवक मंगल दल के जिला कार्यसमिति सदस्य शक्ति सिंह पटेल के द्वारा दी गई।

सघन दस्त नियंत्रण पखवाड़ा कल से जनपद में 22 जून तक चलेगा पखवाड़ा

आधुनिक समाचार सेवा

नोएडा डायरिया से बचाव एवं प्रबंधन को लेकर सात जून (बुधवार) से सघन दस्त पखवाड़ा का आयोजन किया जायेगा। यह पखवाड़ा 22 जून तक चलेगा। इस दौरान संबंधित क्षेत्र की आशा कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर पांच वर्ष तक के सभी बच्चों के लिए ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन साल्ट) पैकेट का वितरण करेंगी। इस संबंध में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तर प्रदेश की मिशन निदेशक अपर्णा उपाध्याय ने प्रदेश के मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को पत्र भेज कर दिशा निर्देश दिये हैं।

अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. भारत भूषण ने बताया- सघन दस्त पखवाड़ा मनाने का उद्देश्य बाल्यावस्था में दस्त के दौरान ओआरएस और जिंक के उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में दस्त के प्रबंधन एवं उपचार के लिए गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ ही उच्च प्राथमिकता व अतिसंवेदनशील समुदायों में जागरूकता पैदा करना है। उन्होंने बताया -दस्त रोग बच्चों की मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है। इसका उपचार ओआरएस और जिंक की गोली मात्र से किया जा सकता है। दस्त रोग विकासशील देशों में अधिक व्यापक रूप से मौजूद है जिसका मुख्य कारण दूषित पेयजल, स्वच्छता एवं शौचालय का अभाव तथा पांच वर्ष तक के बच्चों का कुपोषित होना है।

महिला थानाध्यक्ष के प्रयास से 3 वैवाहिक जोड़ों की हुई काउंसलिंग, पति-पत्नी साथ में रहने के लिये हुए राजी

आधुनिक समाचार सेवा

सोनभद्र। जनपद में 'मिशन शक्ति' नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन के क्रम में महिला थाना रॉबर्ट्सगंज पर आयोजित परामर्श केन्द्र में थानाध्यक्ष महिला थाना सरोजमा सिंह मय टीम द्वारा महिला थाना रॉबर्ट्सगंज में पति-पत्नी के बीच चल रहे विवाद के संम्बंध में 04 जोड़ा पति-पत्नी की समस्याओं को सुनते हुए उन्हें सुलझाया गया जिससे पति-पत्नी राजी-खुशी से आपस में एक साथ रहने के लिए सहमत होकर घर गए । इसके अतिरिक्त 01 अन्य प्रकरण में पति-पत्नी को निश्चित तिथि देते हुए उन्हें काउंसलिंग हेतु बुलाया गया । काउंसलिंग के दौरान महिला थानाध्यक्ष द्वारा परामर्श केन्द्र में आये दम्पतियों की पारिवारिक सम्बंधी प्रकरणों में उनकी काउंसलिंग की गयी तथा पति-पत्नी को आपस में विवाद को खत्म कर सुलह-समझौता कराते हुए साथ में रहने हेतु प्रेरित किया गया।

विश्वप्रसिद्ध है तमिलनाडु के मंदिरों की कलात्मकता

प्राचीन काल में हमारे देश में स्थापत्य कला की तीन प्रमुख शैलियां विद्यमान थीं- उत्तर भारत की नागर शैली, उत्तर-दक्षिण की बेसर शैली तथा दक्षिण भारत की द्रविड़ शैली। इनमें मूर्तिकला, शिल्प, सुंदरता आदि की दृष्टि से द्रविड़ शैली अत्यन्त मनमोहक, कलात्मक एवं प्रेरक है। इसका अधिकाधिक विकास तमिल प्रदेश के अनेक मंदिरों के निर्माण में छठी शताब्दी से सत्रहवीं शताब्दी के बीच पल्लव, चोल, पांड्य, विजयनगर और नायक राजाओं के शासनकाल में हुआ। तमिलनाडु के सुप्रसिद्ध मंदिरों में मदुरै का मीनाक्षी, रामेश्वरम् का रामेश्वरम् मंदिर, तंजौर का वृहदीश्वर, तिरुच्चिरापल्ली का श्रीरंगम्, चिदम्बरम् का नटराज तथा कांचीपुरम् का एकांवरनाथ मंदिर आदि उल्लेखनीय हैं। ये पावन स्थान न केवल भारत में बल्कि अपने अप्रतिम शिल्प वैभव के कारण सारे संसार में विख्यात हो चुके हैं। इन मंदिरों में देवताओं की मूर्तियां आज भी रत्नों से सुशोभित हैं और परंपरा को जीवित रखे हुए हैं।

मीनाक्षी मंदिर :- दक्षिण भारत में मदुरै का वही महत्व है जो उत्तर भारत में 'मथुरा' का है। यहां का मीनाक्षी मंदिर अपनी भव्यता के लिए जगतप्रसिद्ध है। मदुरै किसी समय पांड्य राजाओं की राजधानी रही है और मीनाक्षी इस वंश की राजकन्या थी जिसने अपनी भक्ति के प्रभाव से शिवजी को वरण किया था। मीनाक्षी मंदिर बस्ती के मध्य में बना हुआ है। इसके एक भाग में मीनाक्षी देवी का मंदिर है और दूसरे भाग में सुन्देश्वरम् (शिवजी) का। सत्रहवीं शताब्दी में इस मंदिर के विस्तार में नायकवंशी राजा तिरुमलै ने बड़ा योगदान दिया था। मीनाक्षी मंदिर का सबसे मुख्य आकर्षण इसके ऊँचे-ऊँचे गोपुरों में है जो आकाश को छूते से प्रतीत होते हैं। ये गिनती में चार हैं, जिनका कण-कण उन्नत तथा आकर्षक शिल्प से ओत-प्रोत हैं। इन पर निर्मित सैकड़ों रंगीन देवमूर्तियों के अद्भुत कला कौशल को देखकर दर्शक कुछ पल तक मंत्रमुग्ध सा खड़ा इनकी ओर निहारता रहता है। यहां पर एक से एक भव्य मूर्ति शोभायमान है। द्रविड़ शैली की सर्वोत्तम मूर्तिकला को यदि देखना है तो मदुरै में जाकर मीनाक्षी मंदिर के इन गोपुरों को देखिये जिनके कारण ऐसा सुंदर मंदिर सारे देश में और कहीं नहीं। मीनाक्षी मंदिर का भीतरी भाग कम कलात्मक नहीं। भित्तियों पर की गई नक्काशी व पच्चीकारी तथा स्थल-स्थल पर बनीं मूर्तियां अपनी-अपनी कथा कह रही हैं। यहां पर एक छोटा-सा तालाब भी बना हुआ है। मदुरै का विष्णु मंदिर भी इसी शैली पर बनाया गया है, जिसमें विष्णु संबंधी अनेक रंगीन मूर्तियां दर्शनीय हैं। इसके साथ ही, यहां का तिरुमलै पैलेस भी देखने योग्य है जिसके स्वर्गाविलास एवं रंगाविलास मुगलकालीन के दीवान-ए-खास व दीवान-ए-आमकी याद दिलाते हैं।

रामेश्वरम् मंदिर :- मीनाक्षी मंदिर के बाद तमिलनाडु का सबसे बड़ा आकर्षण रामेश्वरम् का रामेश्वर मंदिर है जो टापू में बना हुआ है। रामेश्वरम् की गणना हमारे देश के चारों धामों में की जाती है। यहां पहुँचने के लिए मण्डपम् से पामवन के बीच बने करीब ढाई कि.मी. लंबे एकमात्र रेल पुल से होकर आना पड़ता है। यहां से गुजरते समय मदमाते सागर का एक ऐसा विस्मयकारी दृश्य देखने को मिलता है, जो अन्यत्र दुर्लभ है। रामेश्वर मंदिर अपने आप में एक विशाल दुर्ग सा है, जिसके चारों ओर बने ऊँचे-ऊँचे गोपुर यात्रियों को सहज ही अपनी ओर आकृष्ट कर लेते हैं। इस मंदिर में एक हजार खम्भों वाला एक विशाल प्रांगण है, जिस पर की गई नक्काशी और पच्चीकारी बेजोड़ है। कहते हैं कि यहां पर श्री राम ने लंकाधीश रावण पर विजय प्राप्त करने के लिए शिव जी की शक्तिपूजा की थी। इस मंदिर में स्नान आदि के लिए बाइस कुएं बने हुए हैं जिनका जल समुद्र के निकट होने पर भी मीठा है। पर्यटकों की सुविधा के लिए मंदिर के पूर्वी गोपुर के सामने समुद्र तट के निकट ही एक उत्तम सा जलपान गृह बनाया गया है। यह जगह मदुरै से 150 किलोमीटर और श्री लंका से

75 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

वृहदीश्वर मंदिर :- मदुरै की तरह तंजौर भी तमिलनाडु का एक प्रमुख नगर है जो रामेश्वरम् से चेन्नई जाने वाले मार्ग पर स्थित है। यहाँ का साठ मीटर ऊँचा वृहदीश्वर नामक शिव मंदिर भारत का सबसे बड़ा शिव मंदिर माना जाता है। इसमें चोलवंशी नरेश राजराजा चोल ने ग्यारहवीं शती के आरम्भ में बनवाया था। इसके मुख्य आकर्षणों में नंदी की विशाल मूर्ति तथा गर्भगृह में प्रतिष्ठित चमकीले काले पत्थर का लगभग चार मीटर ऊँची शिवलिंग, दोनों ही बड़े प्रभावशाली लगते हैं। यहां का सरस्वती महल नामक पुस्तकालय बहुत मशहूर है। जिसमें असंख्य अनुपलब्ध पांडुलिपियों का भंडार है। इस क्षेत्र के अन्य दर्शनीय कलात्मक मंदिरों में मुन्नारगुड़ी का राजगोपाल स्वामी मंदिर और तिरुवारूर का त्यागराज स्वामी मंदिर भी उल्लेखनीय हैं।

श्री रंगम् मंदिर :- तंजौर के वृहदीश्वर मंदिर की भांति तिरुच्चिरापल्ली का श्री रंगम् मंदिर भी हमारे देश का विशाल वैष्णव मंदिर है। यह मंदिर तिरुच्चिरापल्ली नगरी के निकट कावेरी नदी की दो धाराओं के मध्य एक छोटे से टापू में स्थित है जिसके कारण इस कस्बे का नाम 'श्री रंगम्' पड़ गया है। इस मंदिर में भगवान श्री रंगनाथ जी विराजमान हैं। इस संबंध में यहां एक दंतकथा बड़ी मशहूर है कि लंका पर विजयोपरांत अयोध्या लौटते समय श्री रामचंद्र जी ने यह मूर्ति विभीषण के कहने पर उसे पूजा के लिए दे दी थी, किंतु गणेश जी की युक्ति से इस मूर्ति को श्री रंगम् में छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ा। इस मंदिर के निकट ही जुंबकेश्वर महादेश का शिव मंदिर है, जिसकी अनूठी कला और पच्चीकारी दर्शकों के मन को मोह लेती है। इसके अतिरिक्त तिरुच्चिरापल्ली नगर में बना मातृ भूतेश्वर मंदिर भी यहां का एक देखने लायक मंदिर है, जिसका निर्माण नायकवंशी रानी मंगम्मा ने करवाया था।

नटराज मंदिर :- तमिलनाडु के प्राचीन मंदिरों में चिदम्बरम् के नटराज मंदिर का अपना अलग महत्व है। इस मंदिर की विशेषता यह है कि इसमें शिवलिंग के स्थान पर नटराज की मूर्ति विराजमान है। यहां की नृत्य मुद्रा में कांसे की शिव मूर्ति अन्यत्र दुर्लभ है। इसका निर्माण छठी शताब्दी में पल्लव नरेश सिंह वर्मन ने करवाया था जिसके उपरांत चोल पांड्य तथा विजयनगर के राजाओं ने इसके विकास में योगदान दिया। यह सारा मंदिर बत्तीस एकड़ भूमि के क्षेत्र में फैला हुआ है। पांच तत्वों के आधार पर पांच लिंगों की कल्पना की गई है जिसमें गमन लिंग चिदम्बरम् इस मंदिर में स्थापित है। यहां की नृत्यशाला और कनक सभा मंडप शिल्प के सुंदर नमूने हैं। गोपुरों पर भरतनाट्यम की एक सौ आठ मुद्राओं में निर्मित नटराज की मूर्तियां दर्शनीय हैं। इस मंदिर में एक बड़ा सा तालाब भी बना हुआ है। इस संबंध में यहां पर एक कथा बड़ी प्रचलित है। कहा जाता है कि पहले पहल यहां पर एक घना जंगल था। इस जंगल में कई ऋषि-मुनि तप करते थे, उन्हें अपने तप पर घमण्ड हो गया था। उनके घमण्ड को चूर करने के लिए एक बार शिव कैलाश से यहां आए। शिव का मुकाबला करने के लिए सभी ऋषि-मुनियों ने मिलकर एक चीता, एक सर्प और बौने दैत्य को भेजा। लेकिन शिव ने उन सबको मौत के मुंह में सुला दिया। चीते की खाल को शिव ने अपने शरीर पर लपेट लिया और बौने दैत्य को अपने पांवों के नीचे कुचलकर ताण्डव नृत्य किया। उस समय की शिव की वह मुद्रा आज सारे संसार में 'नटराज' के रूप में जानी जाती है। इसलिए चिदम्बरम् को भरतनाट्यम की जन्मभूमि भी कहा जाता है। धार्मिक महत्व के साथ-साथ नृत्यकला की दृष्टि से भी यह मंदिर बेजोड़ है।

एकांबरनाथ मंदिर :- प्राचीन काल में जिन सात पुरियों को मोक्षदायिनी माना गया है, उनमें कांची अर्थात् कांचीपुरम् एक है। इस नगरी का नाम किसी समय कांचपुर (कनकपुरी) भी था जो कालान्तर में कांचीपुरम् हो गया। यहां का एकांबरनाथ मंदिर तमिलनाडु का एक विख्यात मंदिर है जिसका निर्माण सोलहवीं शताब्दी में विजयनगर के राजा कृष्णदेव राय ने करवाया था। इसका गोपुर दस मंजिला है जिसकी ऊँचाई सत्तावन मीटर है। यहां का शिल्प द्रविड़ शैली का एक बेहतरीन नमूना है। इस मंदिर में पृथ्वीलिंग स्थापित है, कांचीपुरम् के अन्य दर्शनीय मंदिरों में कैलाशनाथ, वैकुण्ठनाथ, पेरुमाल, विश्वेश्वर, वरदराज स्वामी, चंद्रप्रभा आदि उल्लेखनीय हैं। वरदराज मंदिर में चट्टान को काट कर जंजीर का जो रूप दिया गया है, देखते ही बनता है। यह नगरी चेन्नई से 71 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और कई शताब्दियों तक पल्लवकालीन राजधानी के रूप में गौरवशाली रही है। हमारे देश के पांचवें शंकराचार्य भी यहीं रहते हैं जो कांची कामा कोडि शंकराचार्य के नाम से जाने जाते हैं।

यह है भूल भुलैय्या वाला शिव मंदिर, मन्नत पूरी करनी हो तो जरूर आएं यहां

मध्य प्रदेश के रतलाम में देश ही नहीं दुनिया का सबसे अनोखा शिव मंदिर है, जिस भूल भुलैय्या वाले शिव मंदिर के नाम से जाना जाता है। प्राचीन शिव मंदिरों के बारे में तो आपने कई किवदंतियां सुनी होंगी लेकिन रतलाम के बिलपांक गांव में एक शिव मंदिर ऐसा भी है जिसे भूल भुलैय्या वाला शिव मंदिर कहा जाता है। जी हां इसका नाम है विरूपाक्ष महादेव मंदिर। इस मंदिर की स्थापना मध्ययुग से पहले, परमार राजाओं ने की थी और भगवान भोले नाथ के ग्यारह रुद्र अवतारों में से पांचवें रूद्र अवतार के नाम पर, इस मंदिर का नाम विरूपाक्ष महादेव मंदिर रखा गया। इस मंदिर के चारों कोनों में चार मंडप भी बनाये गए हैं जिसमें भगवान गणेश, मां पार्वती और भगवान सूर्य की प्रतिमा को स्थापित किया गया है।

64 खंभों पर की गई नक्काशी : इस मंदिर को भूल भुलैय्या वाला

शिव मंदिर भी कहा जाता है क्योंकि इस मंदिर में लगे खंभों की एक बार में सही गिनती करना किसी के बस की बात नहीं है। इस मंदिर के सभी 64 खंभों पर की गई नक्काशी देखने योग्य है। इस प्राचीन विरूपाक्ष महादेव मंदिर के अंदर 34 खंभों का एक मंडप है और सभी चारों कोनों पर, खंभों की गिनती 14-14 बनती है जबकि 8 खंभे अंदर गर्भगृह में हैं। ऐसे में एक बार में इन खंभों की सही गिनती करना मुश्किल है। जिसके चलते लोग इस मंदिर को भूल भुलैय्या वाला शिव मंदिर भी कहते हैं। **यहां शिवरात्रि होती है अलग :** महाशिवरात्रि के मौके पर हर साल यहां मेला लगता है और भगवान विरूपाक्ष के दर्शन के लिए श्रद्धालु दूर दूर से यहां पहुंचते हैं। मान्यता है कि बाबा भोले नाथ के दर से कोई भी भक्त खाली हाथ नहीं जाता। खास बात यह है कि इस मंदिर में आयोजित हवन के बाद बंटने वाले खीर के प्रसाद से, माँओं की सूनी गोद भी भरती है जिसके लिए दूर दूर से, बड़ी संख्या में महिलाएं विरूपाक्ष महादेव के दर्शन के लिए आती हैं। बीते 64 सालों से हर साल यहां इस महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है जिसमें खीर की प्रसादी के लिए लोग प्रदेश और देश के कोने कोने से आते हैं। गोद भरने पर यहां बच्चों को मिठाईयों से भी तौला जाता है। **निःसंतान दंपति प्रसाद लेने आते हैं यहां :** प्रशासन ने रतलाम के समीर बिलपांक का विरूपाक्ष मंदिर भी संरक्षित घोषित किया हुआ है। स्थापत्य कला की दृष्टि से ऊन व उदयेश्वर के शिव मंदिर व इसमें काफी साम्यता है। यहां 5.20 वर्गमीटर के गर्भगृह में पीतल की चद्दर से आच्छादित 4.14 मीटर परिधि वाली जलाधारी व 90 सेमी ऊंचा शिवलिंग स्थापित है। 64 स्तंभ वाले सभागृह में एक स्तंभ मौर्यकालीन भी है। यहां 75 वर्षों से हर शिवरात्रि पर महारुद्र यज्ञ होता है जिसमें खीर का प्रसाद ग्रहण करने दूर-दूर से बड़ी संख्या में निःसंतान दंपति आते हैं। **इसलिए विशेष है यह मंदिर :** मंदिर में 64 खंभे, गर्भगृह, सभा मंडप व चारों और चार सहायक मंदिर हैं। सभा मंडल में नृत्य करती हुईं अप्सराएं वाद्य यंत्रों के साथ हैं। मुख्य मंदिर के आसपास सहायक मंदिर भी मौजूद हैं। पूर्व सहायक मंदिर के उत्तर में हनुमानजी की ध्यानस्थ प्रतिमा, पूर्व दक्षिण में जलाधारी व शिव पिंड, पश्चिम के उत्तर में विष्णु भगवान गरुड़ पर विराजमान हैं। पश्चिम में दांयीं सूंड वाले गणेशजी की प्रतिमा है।

घर बाहर के बीच

घरेलू भूमिकाओं को छोड़ कर अध्यापन, बैंकिंग, आईटी और पत्रकारिता जैसे पेशों में महिलाओं की मौजूदगी देखी जा सकती है, लेकिन नौकरी हो या व्यवसाय, दोनों क्षेत्रों में अभी लगता है कि खुद महिलाओं में कोई हिचक है। भले उनसे अपेक्षा है कि वे पुरुषों के कंधे से कंधा मिला कर काम करें, पर कई काम-धंधे हैं, जहां महिलाओं की उपस्थिति नगण्य है। यह बेवजह नहीं है। इसके पीछे सामाजिक दबाव हैं, असुरक्षा का माहौल है। इसी के मद्देनजर हाल में महिला और बाल विकास मंत्रालय ने दफ्तरों में यौन उत्पीडन की शिकायत करने की एक व्यवस्था- शी बॉक्स के जरिए बनाई है। दरअसल, कामकाज की स्थितियां स्त्रियों को नहीं, बल्कि पुरुषों को ध्यान में रख कर बनाई गई हैं। ऐसे में चाह कर भी महिलाएं कई नौकरियों और बिजनेस में नहीं आती हैं और अगर आती भी हैं, तो वहां ज्यादा टिकती नहीं हैं। इस संदर्भ में एक छोटी पहल हुई है। पिछले साल, दिल्ली स्थित पर्सनल केयर उत्पाद बनाने वाली एक कंपनी ने महिलाकर्मियों के लिए एक खास छुट्टी का प्रावधान किया था। इस कंपनी ने महीने में दो दिन ऐसी छुट्टियां महिला कर्मचारी को देने की नीति बनाई, जब वे मासिक चक्र से गुजर रही हों। भारत में ऐसी व्यवस्था करने वाली यह पहली कंपनी मानी गई, हालांकि दुनिया में भी कुछ ही विकसित देशों में ऐसे प्रावधान हैं। उल्लेखनीय है कि विश्व स्तर पर इन छुट्टियों का प्रावधान सबसे पहले जापान में 1947 में किया गया था, जो बाद में दक्षिण कोरिया, ताइवान और इंडोनेशिया जैसे कुछ देशों में कुछ कंपनियों द्वारा अपनाया गया। महिला कर्मचारियों की जरूरतों में सबसे बड़ी मुश्किल तब आती है, जब वे विवाह करके अपना घर बसाती हैं और मातृत्व की ओर बढ़ती हैं। भारत जैसे विकासशील देशों में ही नहीं, अमेरिका जैसे विकसित देशों में भी स्त्रियों का रोजगार- खासकर किसी अच्छी कंपनी में नौकरी इस कारण खतरे में पड़ जाती है। वहां भी युवावस्था में नौकरी शुरू करने वाली स्त्रियां विवाह और मातृत्व के वक्त जब लंबी छुट्टियां लेती हैं तो इसकी गारंटी नहीं होती कि वे नौकरी में वापस आ पाएंगी। अगर वे लौटती हैं तो एक पिछड़ेपन के साथ। यानी या तो वे अपने ही सहकर्मियों से करिअर की रेस में पिछड़ जाती हैं या फिर उन्हें मातृत्व की अपनी योजना को लंबे समय तक टालना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि नौकरी या अध्ययन के दौरान मातृत्व से जुड़े सवालों पर भारत में भी कुछ दुविधाएं प्रकट होती रही हैं, जिन पर अदालत को दखल देना पड़ा है। सात साल पहले दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली यूनिवर्सिटी की लॉ फैकल्टी की दो विवाहित गर्भवती छात्राओं की याचिका पर दिए अपने फैसले में हाजिरी से छूट देने का आदेश दिया था। गर्भधारण के कारण इन छात्राओं की उपस्थिति निर्धारित संख्या से कम रह गई थी और कॉलेज ने उन्हें परीक्षा में बैठने से रोक दिया था। इस पर अदालत ने कहा था कि ऐसी छात्राओं को हाजिरी में छूट न देना संविधान की मूल भावना और महिला अधिकारों का उल्लंघन है। ऐसी ही एक पहलकदमी तीन साल पहले तब हुई, जब सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि केंद्र सरकार की महिला कर्मचारी अपने नाबालिग बच्चों की देखभाल के लिए दो साल की छुट्टी ले सकती है। उल्लेखनीय है कि छठे वेतन आयोग ने ऐसी ही छुट्टी की सिफारिश की थी। दिल्ली समेत कुछ राज्यों के सरकारी दफ्तरों और कॉलेज-यूनिवर्सिटियों में महिलाएं ऐसे अवकाश का लाभ उठा रही हैं। पर ये सारी सुविधाएं सिर्फ सरकारी महिला कर्मियों को हासिल हैं। कुछ अपवादों को छोड़ कर (जैसे टाटा, टेक महिंद्रा, आइसीआइसीआई बैंक आदि, जहां करीब बीस फीसदी नौकरियां उन महिलाओं के लिए सुरक्षित की जा रही हैं, जिन्होंने मातृत्व कारणों से लंबा अवकाश लिया था) निजी क्षेत्र की ज्यादातर कंपनियों में मातृत्व के लिए अवकाश का सीधा अर्थ घर बैठ जाना है, क्योंकि नियोक्ता इतनी लंबी अवधि तक महिला कर्मचारी की अनुपस्थिति बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं। यही वजह है कि मातृत्व की ओर बढ़ने वाली निजी क्षेत्र में कार्यरत महिलाएं नौकरी छोडना ही बेहतर समझती हैं।

नौकरीशुदा महिलाओं के सामने कई समस्याएं : यों लगभग पूरी दुनिया में किसी भी कंपनी में काम करते हुए करिअर के साथ बच्चे को जन्म देना और उसका पालन-पोषण करना एक बेहद मुश्किल काम है। विकासशील देशों में तो ज्यादातर छोटी कंपनियों में किसी महिला के लिए मातृत्व का मतलब आमतौर पर अपने करिअर की तिलांजलि देना ही होता है। गर्भधारण करने की स्थिति में महिलाओं के करिअर में कई बाधाएं हैं, अगर वह पूरी तरह खत्म नहीं होता तो वे अक्सर अपने ही सहकर्मियों से पिछड़ जाती हैं और योग्यताएं होते हुए भी वे किसी कंपनी में उन शीर्ष पदों पर नहीं पहुंच पाती हैं, जिनके लिए वे पूरी तरह सक्षम होती हैं। बड़ी कंपनियों के लिए भी महिला कर्मचारियों द्वारा अपना परिवार बढ़ाने का कदम काफी मुश्किलें खड़े करता है। उनका संकट यह है कि या तो वे ऐसी महिला कर्मचारी हमेशा के लिए खो देती हैं, जिन पर उन्होंने भारी-भरकम निवेश किया होता है।

स्त्री की आजादी में धर्म का दखल

जहां स्त्री अपनी मरजी की जिंदगी जीना चाहती है, वहीं धर्म से संचालित होने वाला समाज उसकी मरजी को बुरा मानता है। अगर वह शादी नहीं करती, तो यह सामाजिक और धार्मिक मर्यादाओं का उल्लंघन माना जाता है, क्योंकि धर्म ने वैवाहिक नाम की संस्था को हाईजैक कर लिया है। इसलिए अगर कोई लड़की अपनी मरजी से शादी न करने का निर्णय लेती है या लिव इन रिलेशनशिप में रहना चाहती है अथवा संतान पैदा नहीं करना चाहती, तो यह सीधे-सीधे धर्म का उल्लंघन माना जाता है। शादी एक पर्सनल चीज है और यह पूरी जिंदगी का समझौता भी है। आज भी शादी से स्त्री की आजादी छिन जाती है। उसकी पर्सनल स्पेस कम हो जाती है और तो और घर की सारी जिम्मेदारियां उसी के जिम्मे डाल दी जाती हैं। इसलिए वह शादी के खिलाफ विद्रोह का बिगुल बजाने लगी है। नई जैनरेशन अधिक बोल्ड हो गई है। वह कोई भी निर्णय लेने से नहीं डरती। यही कारण है कि जैसे-जैसे लड़कियां इंडिपेंडेंट हो रही हैं वे ज्यादती बरदाश्त नहीं कर रही हैं। लेकिन आज भी स्त्री अपनी मनमरजी से नहीं जी सकती। धर्म उसकी आजादी में पाबंदी लगाना चाहता है। एक युवती का समाज सम्मान तभी करता है जब वह धार्मिक रीति रिवाजों से, पंडित के मंत्रों द्वारा अग्नि के सामने किसी युवक के साथ 7 फेरे लेकर उसकी जीवन संगिनी बनती है। उसके बाद वह संतान प्राप्त करने के लिए देवी-देवताओं से विनती करती है। अपने सुखी वैवाहिक जीवन की कामना करती है। मंदिरों, तीर्थ स्थलों में जाती है। इससे पहले वह वर प्राप्ति के लिए व्रत, पूजा करती है। शादी के बाद पति की लंबी उम्र के लिए करवाचौथ का व्रत रखती है। इसके अलावा और कई तरह के हवन यज्ञ करवाती है, बाबाओं की शरण में जाती है। सुखी गृहस्थ जीवन के लिए तभी वह पूर्ण सम्मानित स्त्री मानी जाती है। आज की युवतियां जो अपनी मरजी धर्मरहित आधुनिक जीवन जीना चाह रही हैं, उसके चलते वे समाज की नजरों में सम्मान के काबिल नहीं रह गईं। धर्म स्त्री की मरजी पर सदियों से पाबंदी लगाता आ रहा है। आज सिंगल वूमन जिस तरह से रहना चाहती है वह धार्मिक, सामाजिक सत्ता का खुला उल्लंघन है। इसीलिए धर्म के ठेकेदार उसके प्यार करने, पहनने-ओढने, खाने-पीने, पढने-लिखने जैसे नितांत निजी फैसलों पर अपने फतवे जारी करते रहते हैं। समाज में शादी को पवित्र संस्था समझा जाता है। भले ही शादी बुरी साबित हो। स्त्री की सफलता का पैमाना उसके कैरियर की उपलब्धियों को नहीं, बल्कि सफल वैवाहिक जीवन को माना जाता है। समाज न सिंगल रहने वाली लड़की को आसानी से स्वीकार कर पाता है और न ही पुरुष को। दोनों को ही हजारों सवालों का सामना करना पड़ता है। यह सही है कि समाज की सुविधा के लिए शादी करना जरूरी है, लेकिन जो शादी नहीं करना चाहते उन्हें इसकी आजादी भी होनी चाहिए। किसी भी अविवाहित व्यक्ति को अकेला क्यों समझा जाता है? क्या सिर्फ पति-पत्नी बनने से ही रिश्ते बनते हैं? बाकी सभी रिश्ते गौण होते हैं? अगर पेरैंटस का पूरा सहयोग हो, एक बेहतरीन कैरियर हो, अपने फैसले पर आप को पूरा यकीन हो, स्ट्रौंग पर्सनैलिटी हो और ऐसे फ्रैंड हों, जो जिंदगी के हर मोड़ पर आप के साथ खड़े हों, तो अविवाहित व्यक्ति खुद को कभी अकेला महसूस नहीं करेगा। इसके अलावा लड़की जब अपने परिवार में मां, बुआ और बहन को पुरुष यंत्रणा का शिकार होते देखती है या बात-बात पर पति या पिता को यह कहते सुनती है कि मेरे घर से निकल जाओ, तो बचपन से ही उसके मन में यह बात बैठ जाती है कि उसे इस सब का शिकार नहीं होना है। उसे अपने पैरों पर खड़ा होना है। किसी के आगे नहीं झुकना है। **महिलाओं को सशक्त बनाना जरूरी :** आज के समय में लगभग हर जगह चाहे वह गांव हो या शहर हर जगह महिला सशक्तिकरण पर चर्चा हो रही है, लेकिन इसके वास्तविक मायने कितने लोग समझ पाते हैं यह कहना मुश्किल है। हमारे भारतीय समाज में इसकी कितनी मान्यता मिल रही है, यह अनुसंधान करना बेहद कठिन है, हालांकि हमारे भारतीय समाज में महिलाओं की अवस्था में काफी सुधार हुआ है ।

इंग्लैंड की पिच पर कड़ी मेहनत करना है जरुरी,वर्ल्ड ट्रेड सेंटर 2023 से पहले आया रोहित शर्मा का बयान

लंदन। भारतीय टीम को सात जून से इंग्लैंड में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ना है। इस भिड़ंत से पहले भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि इंग्लैंड की पिच ऐसी है जहां कड़ी मेहनत करने के अलावा बल्लेबाजों के पास अन्य विकल्प नहीं होता है। गौरतलब है कि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने उपमहाद्वीप से बाहर अपना एकमात्र टेस्ट शतक 2021 में 'द ओवल' में बनाया था। रोहित शर्मा का कहना है कि इंग्लैंड में ऐसी परिस्थितियां होती हैं जहां बल्लेबाज के तौर पर कोई भी क्रीज पर सहज महसूस नहीं करता लेकिन उसे पता चल जाता है कि प्रतिद्वंद्वी टीम के गेंदबाजों के खिलाफ कब आक्रामकता बरतनी है। आस्ट्रेलिया के खिलाफ बुधवार से शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल से पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने रविवार को यहां आईसीसी के एक कार्यक्रम 'आफ्टरनून विद टेस्ट लीजेंड्स' में अपनी बात रखी।

रोहित शर्मा ने कहा कि मुझे लगता है कि इंग्लैंड में बल्लेबाजों के लिए चुनौतीपूर्ण स्थितियां बनती है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए बल्लेबाजों को तैयार रहना होगा तभी सफलता की सीढ़ी चढ़ी

जा सकती है। बता दें कि इससे पहले वर्ष 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ चार टेस्ट में भारत के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रहे थे। हालांकि इस मैदान पर अन्य खिलाड़ियों का प्रदर्शन खास नहीं रहा है। विराट कोहली का इस मैदान पर औसत 30 का भी नहीं है, जबकि पुजारा ने इस मैदान पर 20 की औसत से भी कम में रन बनाए है। ऐसे में रोहित शर्मा की चिंता का विषय सही लगता है।

पैट कमिंस, रॉस टेलर और इयान बेल के साथ बैठे भारतीय कप्तान ने अपने निजी अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, ''2021 में मुझे एक चीज महसूस हुई कि आप कभी भी क्रीज पर जमते नहीं हो और फिर मौसम बदलता रहता है। आपको लंबे समय तक ध्यान लगाये रखना होता है और फिर आपको पता चल जाता है कि अब गेंदबाजों को धुनने का समय आ गया है। सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि आपको क्रीज पर जाकर समझना होता है कि आपकी मजबूती क्या है।'' मुंबई इंडियंस और टीम इंडिया के साथ इतने वर्षों में वह आंकड़ों और डाटा पर काफी ध्यान देते हैं। रोहित को लगता है कि 'द ओवल' में सफलता हासिल करने वाले पूर्व खिलाड़ियों के स्कोर बनाने के 'पैटर्न' को जानना बुरा विचार नहीं है। उन्होंने कहा, ''मैं उनका (सफल खिलाड़ियों) अनुकरण करने की कोशिश नहीं करूंगा लेकिन उनके रन बनाने के 'पैटर्न' को जानना अच्छा होगा। मैंने पाया कि ओवल में स्क्वायर बाउंड्री काफी तेज लगती हैं।'' पिछले एक दशक से एक से दूसरे प्रारूप में खेलने के लिए खुद को ढालने वाले रोहित जानते हैं कि यह मुश्किल होता है लेकिन वह इस चुनौती और जरूरत के अनुसार अपनी तकनीक में बदलाव करने की खुद की काबिलियत का आनंद लेते हैं। रोहित ने कहा, ''प्रारूप बदलना निश्चित रूप से चुनौतीपूर्ण कारक है। आप कई प्रारूपों में खेलते हो। मानसिक रूप से आपको बदलने के अनुकूलित होना चाहिए और अपनी तकनीक में फेरबदल करना चाहिए। आपको मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिए।

ब्रेंडन किंग के शतक से वेस्टइंडीज ने यूएई को सात विकेट से हराया

शारजाह। सलामी बल्लेबाज ब्रेंडन किंग के पहले शतक की मदद से वेस्टइंडीज ने रविवार को यहां तीन मैचों की श्रृंखला के पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में यूएई को सात विकेट से हरा दिया। किंग ने 112 गेंद में 12 चौकों और चार छक्कों की मदद से 112 रन की पारी खेली जबकि शामरा ब्रूक्स ने 44 रन बनाए जिससे टीम ने 88 गेंद शेष रहते जीत दर्ज की। नए कप्तान शाई होप (नाबाद 13) ने छक्का जड़कर 35.2 ओवर में टीम का स्कोर तीन विकेट पर 206 रन तक पहुंचाकर उसे जीत दिलाई। इससे पहले यूएई की टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 47.1 ओवर में 202 रन पर सिमट गई। तेज गेंदबाज कीमो पॉल ने 34 रन पर तीन विकेट चटकाए।

मेजबान टीम ने लिए 19 साल के अली नसीर पदार्पण करते हुए 52 गेंद में 58 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। वी अरविंद ने भी 77 गेंद में 40 रन की पारी खेली। वेस्टइंडीज की ओर से यानिक कारिया ने 26, डोमीनिक ड्रेक्स ने 29 और ओडियन स्मिथ ने 40 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए। तीन मैचों की यह श्रृंखला अगले महीने जिंबाब्वे में होने वाले विश्व कप क्वालीफायर्स की तैयारी कर रही दोनों टीमों के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

जोकोविच ने तोड़ा राफेल नडाल का रिकॉर्ड, 17वीं बार फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में पाई सफलता

पेरिस। पेरिस में खेले जा रहे फ्रेंच ओपन टूर्नामेंट में सर्बियाई खिलाड़ी और दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने 17वीं बार टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की है। नोवाक जोकोविच ने पेरू के जुआन पाब्लो वरिलास को मात देकर ये उपलब्धि हासिल की है। इस जीत के साथ ही नोवाक जोकोविच ने इसके साथ ही उनके बराबर 22 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले राफेल नडाल के 16 बार फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के रिकॉर्ड तोड़ दिया। कूल्हे की चोट के कारण नडाल इस बार टूर्नामेंट में नहीं खेल रहे है लेकिन फ्रेंच ओपन के अपने 16 क्वार्टर फाइनल अभियान में से वह 14 को खिताब में बदलने में सफल रहे है। रोलां गैरां के 2016 और 2021 के विजेता जोकोविच को अंतिम आठ में पहुंचने के लिए कोई पसीना नहीं बहाना पड़ा। उन्होंने लगभग दो घंटे तक चले एकतरफा मुकाबले में विश्व रैंकिंग में 94वें स्थान पर काबिज वेरिलस को 6-3, 6-2, 6-2 से शिकस्त दी। इस दौरान सर्बिया के 36 साल के खिलाड़ी ने 35 विनर लगाये जबकि उनके खिलाफ सिर्फ 15 विनर लगे।

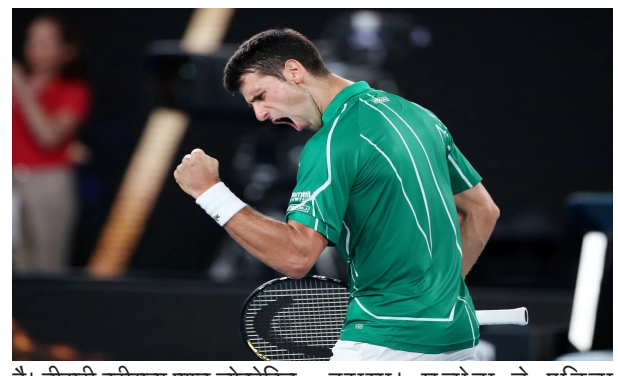

जोकोविच ग्रैंड स्लैम में 55वीं बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचे है और इस मामले में वह सिर्फ महान खिलाड़ी रोजर फेडरर (58 ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल) से पीछे

है। तीसरी वरीयता प्राप्त जोकोविच के सामने 11वीं वरीयता प्राप्त कारेन खाचानोव की चुनौती होगी। दोनों खिलाड़ियों के बीच नौ मुकाबलों में खाचानोव एक जीत दर्ज करने में सफल रहे है। खाचानोव ने अंतिम 16 के एक अन्य मैच में लोरेंजो सोनेगो 1-6, 6-4, 7-6, 6-1 से शिकस्त दी। महिलाओं के वर्ग में दो गैर-वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अनास्तासिया पाल्युचेंकोवा और करोलिना मुचोवा क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रही। क्वार्टर फाइनल में दोनों खिलाड़ी एक दूसरे के आमने सामने होंगी। फ्रेंच ओपन 2021 की उपविजेता पाल्युचेंकोवा ने 28वीं रैंकिंग की खिलाड़ी एलिस मर्टेंस को 3-6, 7-6, 6-3 से हराया। मुचोवा ने एलिना अवनेस्यान को 6-4, 6-4 से हराया। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जोकोविच को 11वीं वरीयता प्राप्त रूसी खिलाड़ी करेन खाचानोव से भिड़ंत करनी होगी। खाचानोव ने प्री क्वार्टरफाइनल मुकाबले में इटली के लोरेंजो सोनेगो को 1-6, 6-4, 7-6, 6-1 आसान सेटों में मात दी थी। इस मुकाबले का पहला सेट लोरेंजो ने जीता था मगर मुकाबले पर वो कब्जा नहीं कर सके और अन्य सेटों में करेन खाचानोव को जीत मिली।

भारत के खिलाफ डब्ल्यूटीसी फाइनल में आक्रामक खेल से परहेज नहीं करेंगे ग्रीन

लंदन। ऑस्ट्रेलिया के उभरते हुए ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन इंडियन प्रीमियर लीग की अपनी प्रभावशाली फॉर्म को भारत के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में दोहराना चाहते हैं और साल के आईपीएल में ग्रीन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 16 पारियों में 160 के स्ट्राइक रेट से 452 रन बनाए जिसमें 47 गेंद में जड़ा शतक भी शामिल है।

उनके शतक की बदौलत मुंबई

उनका मानना है कि टी20 से पारंपरिक प्रारूप में बदलाव के बावजूद उन्हें अपने आक्रामक खेल में लगाम लगाने की जरूरत नहीं है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच डब्ल्यूटीसी फाइनल द ओवल में सात जून से खेला जाएगा। इस इंडियन्स ने प्ले ऑफ में जगह बनाई। बुधवार से द ओवल में शुरू हो रहे डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले 'क्रिकेट.कॉम.एयू' ने ग्रीन के हवाले से कहा, ''इंग्लैंड की टीम अभी काफी आक्रामक क्रिकेट खेल रही है इसलिए शायद आपको अपने खेल में अधिक बदलाव करने की जरूरत नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''पिछले साल पारी की शुरुआत में मैंने रन बनाने की कोशिश करने की जगह संभवतः थोड़ा अधिक रक्षात्मक होकर खेलने का प्रयास किया। आप अच्छी गेंद के खिलाफ रक्षात्मक रुख अपना सकते हैं, आपको क्रीज पर अच्छे फैसले करने होते हैं।''

ग्रीन ने कहा, ''इस बार मैं रन बनाने पर ध्यान दूंगा और अगर गेंद अच्छी हुई तो रक्षात्मक खेल दिखाऊंगा।'' बल्लेबाजी के अलावा ग्रीन ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजी आक्रमण का भी अहम हिस्सा होंगे और यह 24 वर्षीय तेज गेंदबाज इंग्लैंड में ड्यूक गेंद से गेंदबाजी करने की चुनौती के लिए तैयार है। ग्रीन ने कहा, ''सभी, विशेषकर गेंदबाज, स्विंग के कारण यहां (इंग्लैंड) आने को लेकर उत्साहित रहते हैं। सामान्यतः, जब मैं ऑस्ट्रेलिया में गेंदबाजी करता हूं तो काफी मूवमेंट नहीं मिलती इसलिए मैं रोमांचित हूं कि यहां हालात का फायदा उठा सकता हूं।

महिला जूनियर हॉकी एशिया कप: भारत ने मलेशिया को 2-1 से हराया

काकामिगाहारा। भारतीय टीम ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए महिला जूनियर एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में मलेशिया को सोमवार को 2 . 1 से हराया। भारत के लिये मुमताज खान ने दसवें और दीपिका ने 26वें मिनट में गोल किया। मलेशिया के लिये डियान नजेरी ने छठे मिनट में गोल दागा। इस जीत के बाद भारत पूल ए में शीर्ष पर है जिसने पहले मैच में उजबेकिस्तान को 22 . 0 से शिकस्त दी थी। भारत ने पहले मिनट से ही आक्रामक खेल दिखाया और कुछ पेनल्टी कॉर्नर बनाये हालांकि उन पर गोल नहीं हो सका। दूसरी ओर मलेशिया ने शुरूआत में गेंद पर नियंत्रण में बाजी मारी और छठे ही मिनट में नजेरी ने उसके लिये गोल कर दिया। मलेशिया की बढत हालांकि ज्यादा देर तक नहीं रही और चार मिनट बाद मुमताज ने पेनल्टी कॉर्नर पर भारत के लिये बराबरी का गोल किया। हाफ टाइम से चार मिनट पहले भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिसे दीपिका ने गोल में बदला। हाफटाइम के बाद कोई टीम गोल नहीं कर सकी।

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड डब्ल्यूटीसी फाइनल की टीम से बाहर हुए

लंदन। अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड मांसपेशियों के खिंचाव की चोट से पूरी तरह से उबरने मे नाकाम रहने के बाद भारत के खिलाफ आगामी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से बाहर हो गये। हेजलवुड को यह चोट इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान लगी थी। द ओवल में सात से 11 जून तक खेले जाने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल में उनकी जगह टीम में तेज गेंदबाज माइकल नेसर को शामिल किया गया है। हेजलवुड को डब्ल्यूटीसी फाइनल के बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों

की एशेज टेस्ट श्रृंखला के लिए तैयार होने के लिए अतिरिक्त समय दिया गया है। नेसर इस सत्र में ग्लेमोर्गन के लिए काउंटी चैंपियनशिप में खेल रहे हैं और अच्छी लय में हैं। उन्होंने अपने पिछले तीन मैचों में 14 विकेट लिए हैं जिसमें यॉर्कशर के खिलाफ 32 रन पर सात विकेट का शानदार प्रदर्शन भी शामिल हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए दो टेस्ट खेले हैं और सात विकेट लिए हैं। टीम के अंतिम एकादश में हालांकि हेजलवुड की जगह मध्यम तेज गति के गेंदबाज स्कॉट बोलैंड को जगह मिलने की अधिक संभावना है। ओवल की परिस्थितियां बोलैंड की गेंदबाजी के लिए ज्यादा मुफीद है। इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की एशेज श्रृंखला 16 जून से शुरू होगी। चोट के कारण पिछले कुछ समय में ऑस्ट्रेलिया के लिए ज्यादातर मैचों में बाहर रहने वाले हेजलवुड एशेज जैसी महत्वपूर्ण श्रृंखला के लिए तैयार होने के लिए और समय मिलेगा। इस 32 साल के तेज गेंदबाज ने पिछले 19 मैचों में सिर्फ चार टेस्ट खेले है। हेजलवुड ने हाल ही में समाप्त हुए आईपीएल में इस चोट के कारण रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के लिए केवल तीन मैच खेले। हेजलवुड पे जांच में चोट के मामूली निकलने के बाद सिडनी में गेंदबाजी अभ्यास शुरू किया था। वह इसके बाद टीम के साथ इंग्लैंड भी आये लेकिन प्रबंधन ने उन्हें और विश्राम देने का फैसला किया।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपकी किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात होगी। विद्यार्थियों को किसी नए काम की शुरुआत बहुत ही सोच विचार कर करनी होगी। आपको अपने किसी परिजन की सेहत की चिंता सता सकती है जिनके लिए आप कुछ रुपयों का इंतजाम भी कर सकते हैं।

वृषभ राशिः आज का दिन आपके लिए साझेदारी में किसी काम को करने के लिए अच्छा रहने वाला है। आप अपनी अच्छी सोच का कार्यक्षेत्र में लाभ उठाएंगे। यदि आपने किसी जोखिम भरे काम में हाथ डाला तो उसमें आपको समस्या हो सकती है। विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई पर पूरा फोकस बनाए रखना होगा तभी उन्हें किसी परीक्षा में जीत मिलेगी।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए लेनदेन के मामले में सावधानी बरतने के लिए रहेगा। आप किसी से तर्क वितर्क भारी बातें ना करें । प्रबंधन के मामलों की अवहेलना से बचें। मामा पक्ष की ओर से आज आपको धन लाभ मिलता दिख रहा है। कला कौशल से आप एक अच्छी जगह बनाने में कामयाब रहेंगे। विद्यार्थियों को शिक्षा में आ रही समस्याओं के लिए आपने गुरुजनों से बातचीत करनी होगी। कार्यक्षेत्र में आप किसी से बहस बाजी में ना पड़े नहीं तो कोई समस्या खड़ी हो सकती है।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए रचनात्मक कार्य से आगे बढ़ने के लिए रहेगा। करीबियों के साथ आप आगे बढ़ेंगे और वरिष्ठ सदस्यों की सलाह आपके लिए कारगर सिद्ध होगी। बिजनेस कर रहे लोग यदि मंदी को लेकर परेशान चल रहे हैं तो उन्हें कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव करने होंगे। आप अपने मित्रों के साथ किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। माताजी को आज कोई शारीरिक कष्ट होने से आप परेशान रहेंगे। लेकिन आप अपने धन को सही कामों में लगाएं तो आपके लिए बेहतर रहेगा।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रुप से फलदायक रहने वाला है। आज घर में किसी शुभ व मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। कामकाज के मामलों में आप सक्रियता बनाए रखें। किसी से जिद्द व अहंकार भरी बातें करने से बचें। विद्यार्थियों को आज किसी नई परीक्षा को देने का मौका मिलेगा। माता जी से आपकी किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है। आपके घर मे आज किसी अतिथि का आगमन हो सकता है।

कन्या राशिःआज का दिन आपके लिए सुख व समृद्धि बढ़ाने वाला रहेगा। आपको अपने किसी परिजन की ओर से कोई आवश्यक सूचना प्राप्त हो सकती है। सामाजिक कार्यक्रमों में कार्यरत लोगों को आज अपने कामों पर पूरा फोकस बनाए रखना होगा नहीं तो कोई उनकी छवि खराब करने की कोशिश कर सकता है। कुछ नए संपर्कों से आपको लाभ मिलेगा। आपको छोटी दूरी की यात्रा पर जाने का मौका मिल सकता है।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आप के मान सम्मान में वृद्धि होने से आपका मन प्रसन्न रहेगा और रक्त संबंधी रिश्ते में मजबूती आएगी। आप सबको जोड़ने में कामयाब रहेंगे। आप अपनी वाणी व व्यवहार में मधुरता बनाए रखें नहीं तो समस्या हो सकती है। व्यक्तिगत प्रयासों को बढ़ावा मिलेगा।आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से खुशियां बनी रहेगी। परिवार के किसी सदस्य से आप अपने मन की किसी बात को साझा कर सकते हैं, जिसे पूरी करने में वह आपकी मदद अवश्य करेंगे।

वृश्चिक राशिःआज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में मन मुताबिक काम मिलने से मन प्रसन्न रहेगा । व्यवसाय से जुड़े कुछ मुद्दे भी सुलझेंगे। आधुनिक विषयों में भी आपकी रूचि बढ़ेगी। आप बिजनेस में भी कुछ नए उपकरणों को शामिल कर सकते हैं जिससे आपको अच्छा लाभ मिलेगा। आपके कामों की गति तेज रहेगी। किसी नए काम की शुरुआत के लिए बेहतर रहेगा। संतान के लिए आप किसी नए वाहन को लेकर आ सकते हैं जिससे घर में घर में खुशियां रहेंगी, लेकिन आप किसी से उधार लेने से बचें।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए मिश्चित रूप से फलदायक का रहने वाला है। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को आज कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आप अपने बढ़ते खर्चों पर नियंत्रण रखें नहीं तो बाद में समस्या होगी। किसी काम को अति उत्साहित होकर ना करें, नहीं तो वह आपको गलत समझ सकते है। आवश्यक कार्य को आप समय रहते पूरा करें और अपनी आय और व्यय के लिए एक बजट बनाकर चलें।

मकर राशिः आज का दिन आपको परिवार के सदस्यों का पूरा सहयोग मिलेगा। आप अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। अपने खानपान को बेहतर बनाए रखें तभी आप किसी रोग से आसानी से लड़ सकते हैं। परिवार में आपको किसी सदस्य के विवाह चिंता सता सकती है। कार्यक्षेत्र में आप किसी काम को करने में जल्दबाजी ना दिखाएं नहीं तो बाद में आपको समस्या होगी।

कुंभ राशिःआज का दिन सामाजिक क्षेत्रो में कार्यरत लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। परस्पर सहयोग की भावना आपके अंदर बनी रहेगी। कार्यक्षेत्र में आपकी जिम्मेदारी बढ़ने से आपके ऊपर काम का बोझ आ सकता है। आप उससे टकराएंगे नहीं और उनका डटकर सामना करेंगे। माताजी से आपकी किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे। मित्रों के साथ आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। आप किसी जोखिम भरे काम में हाथ ना डालें नहीं तो आपको बाद में समस्या हो सकती है। धार्मिक कार्यों के प्रति भी आपकी आस्था बढ़ेगी। अपने सगे संबंधियों से आप मेल जोल बढ़ाने में कामयाब रहेंगे। विद्यार्थियों को अपनी शिक्षा में आ रही समस्याओं को लेकर अपने मित्रों से बातचीत करनी होगी।

लियोनेल मेसी ने छोड़ा पेरिस सेंट-जर्मेन एफ.सी., क्लब के एक मिलियन से फॉलोअर्स हुए कम

लियोनेल मेस्सी ने लिग 1 के बाद पेरिस सेंट जर्मेन का साथ छोड़ दिया है। पेरिस सेंट जर्मेन फुटबॉल क्लब के साथ अनुबंध समाप्त होने के बाद लियोनेल मेस्सी ने क्लब को अलविदा कहा है। फ्रेंच चैंपियन के लिए इसका बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा है। इस बार पेरिस सेंट जर्मेन के सोशल मीडिया अकाउंट पर लियोनेल मेस्सी के निकलने का असर देखने को मिला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेस्सी के जाने के बाद वीकेंड पर सोशल मीडिया पर पेरिस सेंट जर्मेन के करीब 10 लाख फॉलोअर्स घट गए है। लियोनेल मेस्सी द्वारा क्लब छोड़ने की घोषणा से पहले पेरिस सेंट जर्मेन फुटबॉल क्लब के 69.9 मिलियन फॉलोअर्स थे और अब यह संख्या 68.8 मिलियन हो गई है। गौरतलब है कि मेसी के पेरिस में शामिल होने के बाद पीएसजी की सोशल मीडिया पर फॉलोइंग आसमान छू गई थी। बता दें कि लियोनेल मेस्सी ने पेरिस सेंट जर्मेन की तरफ से शनिवार तीन जून को अंतिम मुकाबला खेलने उतरे थे। इस दौरान क्लेरमोंट से वो 3-2 से हार गए थे। इस दौरान कई फुटबॉल प्रशंसकों ने मेस्सी के नाम की घोषणा होने पर काफी हूटिंग भी की थी। इसके बाद लियोनेल मेस्सी मैदान पर लौटे थे। इस दौरान लियोनेल मेस्सी ने टीम के साथ मिलकर फोटो खिंचवाए थे। इस दौरान वो अपने बच्चों के साथ दिखे थे। क्लब छोड़ने के दौरान लियोनेल मेस्सी ने क्लब को धन्यवाद देते हुए कहा, 'मैं इन दो वर्षों के लिए क्लब, पेरिस शहर और इसके लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं आपको भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं।' बता दें कि पीएसजी के साथ खेले गए दो सत्रों के दौरान लियोनेल मेस्सी ने दो फ्रेंच लीग और फ्रेंच चैंपियंस ट्रॉफी जीती और सभी प्रतियोगिताओं में 32 गोल और 35 असिस्ट किए।

दिग्गज फुटबॉलर इब्राहिमोविच ने लिया खेल से सन्यास, फैंस हुए बेहद हैरान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के सफलतम कप्तानों में से एक महेंद्र सिंह धोनी ने वर्ष 2021 में अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर एक वीडियो शेयर किया था और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से सन्यास लेने का ऐलान किया था। महेंद्र सिंह धोनी द्वारा अचानक सन्यास लिए जाने के फैसले से उनके फैंस काफी हैरान हुए थे।

इसके बाद उन्हें ना ही कोई फेयरवेल मैच के जरिए विदाई दी गई और ना ही फैंस उन्हें ट्रीब्यूट दे सके। ऐसा ही कुछ स्वीडन के स्टार फुटबॉलर ज्लाटान इब्राहिमोविच ने भी किया है। उन्होंने फुटबॉल से अचानक ही सन्यास लिए जाने की घोषणा कर दी है। फुटबॉलर ज्लाटान इब्राहिमोविच के इस ऐलान के बाद उनके फैंस काफी हैरान और हतप्रभ हो गए है।

दरअसल रविवार को सान सिरो में उन्होंने अचानक ही मैदान पर पहुंचकर फैंस की मौजूदगी में लाइव अपने सन्यास का ऐलान किया है। एसी मिलान के अनुभवी फारवर्ड ज्लाटन इब्राहिमोविच ने तुरंत प्रभाव से फुटबॉल को अलविदा कहने का फैसला किया है।

इब्राहिमोविच का मौजूदा सत्र के बाद सिरी ए क्लब एसी मिलान के साथ अनुबंध समाप्त हो रहा था।

मिलान की टीम पहले ही कह चुकी थी कि हेलास वेरोना के खिलाफ मैच के बाद स्वीडन के 41 साल के इब्राहमोविच को विदाई देने के लिए विशेष समारोह का आयोजन किया जाएगा। इब्राहिमोविच ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में खुलासा किया कि उनके संन्यास लेने की खबर की किसी को जानकारी नहीं थी।

उन्होंने कहा, ''यहां तक कि मेरे परिवार को भी नहीं पता था क्योंकि मैं चाहता था कि जब मैं घोषणा करूं तो सभी इसे एक साथ सुनें।'' सेन सिरो में मैच के बाद जब वह मैदान से बाहर निकल रहे थे तो टीम के उनके साथियों ने उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया।

नहीं रुके खिलाड़ी के आंसू

इब्राहिमोविच अपने आंसू नहीं रोक पा रहे थे और उन्होंने अपने साथियों से कहा, ''फुटबॉल को अलविदा कहने का समय आ गया है लेकिन आपको नहीं।'' इब्राहिमोविच ने मिलान की ओर से 163 मैच में 93 गोल दागे। वह जनवरी 2020 में दूसरी बार टीम के साथ जुड़े और पिछले साल टीम के साथ अपना दूसरा सिरी ए खिताब जीता। पिछले साल घुटने के ऑपरेशन के बाद वह चोटों से जूझते रहे और मौजूदा सत्र में टीम की ओर से सिर्फ चार मैच खेल पाए। मिलान के अलावा इब्राहिमोविच पेरिस सेंट जर्मेन, इंटर मिलान, बार्सीलोना, यूवेंटस और अजैक्स जैसी टीमों का हिस्सा रहे। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत स्थानीय क्लब माल्मो के साथ की थी। इब्राहिमोविच ने स्वीडन के लिए 122 मैच में 62 गोल दागे।

वर्ल्ड ट्रेड सेंटर 2023 में नई जर्सी में खेलती दिखेगी भारतीय क्रिकेट टीम,खिलाड़ियों का शानदार फोटोशूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सात जून से 11 जून तक वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला खेला जाना है। इंग्लैंड के लंदन स्थित ओवल स्टेडियम में होने वाली इस चैंपियनशिप के लिए टीमें जोरदार तैयारियां करने में जुटी हुई है। इस बेहद ही खास मुकाबले में भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें नई जर्सी पहने हुए नजर आएंगी।

खास मुकाबले के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम और भारतीय टीम के लिए नई जर्सी को लॉन्च कर दिया गया है। इस नई जर्सी में भारतीय टीम ने खास फोटोशूट भी करवाया है जो बेहद शानदार है। भारतीय टीम की नई जर्सी पर आईसीसी डब्ल्यूटीसी फाइनल 2023 लिखा हुआ है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 7-11 जून तक महामुकाबला यानी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियन का फाइनल लंदन के ओवल स्टेडियम में खेला जाएगा। इस खास मुकाबले के लिए एक नई जर्सी लॉन्च की गई है। जिसको पहनकर टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने धमाकेदार फोटोशूट करवाया। इस जर्सी पर आईसीसी डब्ल्यूटीसी फाइनल 2023 लिखा हुआ है। कप्तान रोहित शर्मा, स्टार क्रिकेटर विराट कोहली, स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा समेत टीम इंडिया के बाकी खिलाड़ियों का धांसू फोटोशूट हुआ है, जिसकी तस्वीरें बीसीसीआई ने शेयर की हैं। गौरतलब है कि हाल ही में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) का आधिकारिक किट स्पॉन्सर एडिडास बना है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियन के फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम पहली बार एडिडास की जर्सी

पहनकर उतरेगी। बता दें कि एडिडास पहले ही भारतीय टीम के लिए टेस्ट, वनडे और टी20 इंटरनेशनल मैचों की जर्सी लॉन्च कर चुका है। वहीं वर्ल्ड टेस्ट चैंपियन के फाइनल मुकाबले के लिए पहली बार फैंस को जर्सी देखने को मिली है। गौरतलब है कि भारतीय टीम इन दिनों इंग्लैंड के लंदन पहुंचने के बाद लगातार ग्राउंट पर चैंपियनशिप के लिए जोरदार प्रैक्टिस करने में जुटी हुई है। इस चैंपियनशीप को जीतने के लिए टीम के खिलाड़ी मैदान पर जमकर पसीना बहाते दिख रहे है। बता दें कि ये दूसरी बार है जब भारतीय टीम ने लगातार चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में जगह बनाई है। इससे पहले वर्ष 2019-21 में भी इस लीग के संस्करण के दौरान भारतीय टीम फाइनल तक पहुंचने में सफल हुई थी। हालांकि इस मुकाबले में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड से मात खानी पड़ी थी। बता दें कि टेस्ट क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए ही आईसीसी की ओर से इस टूर्नामेंट की शुरुआत की गई है। जानकारी के मुताबिक भारतीय टीम वर्ष 2013 के बाद से कोई भी आईसीसी टूर्नामेंट को जीत नहीं सकी है। हालांकि रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम 10 वर्षों के इस सूखे को इस साल जरुर खत्म करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। आंकड़ों के अनुसार भारत ने लंदन के ओवल में कुल 14 मुकाबले खेले है। इन मुकाबलों में भारत को दो टेस्ट मुकाबलों में जीत और पांच में हार मिली है। वहीं ओवल के मैदान पर खेले गए सात मुकाबले ड्रॉ पर खत्म हुए है। बता दें कि भारतीय टीम ने इस ग्राउंड पर पहली बार वर्ष 1936 को इंग्लैंड के खिलाफ ही मुकाबला खेला था। इस मुकाबले में भारतीय टीम को नौ विकेट से मात खानी पड़ी थी। ओवल के मैदान पर भारतीय टीम को सबसे पहले 1971 में जीत मिली थी।

सम्पादकीय

यह दूरी ठीक नहीं

अब यह लगभग तय हो चुका है कि लोकतंत्र का मंदिर कही जाने वाली संसद के नए भवन के उद्घाटन समारोह से करीब-करीब समूचा विपक्ष गायब रहेगा। 19 विपक्षी दलों ने बुधवार सुबह बाकायदा घोषणा कर दी कि वे रविवार को होने वाले इस समारोह का बहिष्कार करने वाले हैं। कारण यह है कि संसद भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों करना तय किया गया है, जबकि विपक्षी दलों के मुताबिक यह काम राष्ट्रपति के हाथों होना चाहिए। विपक्षी दलों का कहना है कि प्रधानमंत्री सदन का हिस्सा और शासन प्रमुख होने के नाते अक्सर विपक्ष के निशाने पर रहते हैं और उन्हें उस तरह की निर्विवाद हैसियत हासिल नहीं होती, जो संवैधानिक प्रमुख होने के नाते राष्ट्रपति को प्राप्त होती है। लेकिन यहां बड़ा सवाल यह है कि इस सुझाव पर विपक्ष को सामान्य स्थिति में कितना जोर देना चाहिए था। क्या इसे इस सीमा तक खींचना जरूरी था कि उस आधार पर समारोह का ही बहिष्कार कर दिया जाए? निश्चित रूप से विपक्ष का यह स्टैंड सहज-स्वाभाविक नहीं कहा जाएगा। यह इस बात का सबूत है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच मतभेदों की खाई बहुत ज्यादा चौड़ी हो चुकी है। दोनों के बीच विश्वास का संकट पैदा हो गया है। यही चिंता की सबसे बड़ी बात है। विपक्षी दलों ने भी अपने संयुक्त बयान में इस बात का संकेत दिया है कि मामला सिर्फ इस एक मुद्दे का नहीं है। सरकार समय-समय पर ऐसे कई कदम उठाती रही है जिन्हें विपक्ष अपने ऊपर हमला या सदन की तौहीन के रूप में देखता रहा है। चाहे बात राहुल गांधी की सांसदी छिनने की हो या तीन कृषि कानूनों को संसद से पारित कराने के ढंग की या फिर दिल्ली में नौकरशाही को हर हाल में अपने अधीन रखने के केंद्र के प्रयासों की, इन सब पर सरकार का अपना पक्ष है और उसके अपने तर्क हैं, लेकिन विपक्ष की भी अपनी शिकायतें हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकार की ओर से विपक्ष तक पहुंच कर उसे अपनी बात समझाने या उसका पक्ष समझने की ऐसी कोई कोशिश भी नहीं दिख रही, जिससे विपक्ष को ऐसा लगे कि सरकार को उसकी भावनाओं की फिक्र है। मौजूदा मामले को ही लें तो अगर सरकार विपक्ष को साथ लेते हुए आगे बढ़ती तो ये मुद्दे समय पर उसके संज्ञान में आ जाते और तब बहुत संभव था कि बातचीत से ऐसी कोई राह निकल जाती, जिससे कम से कम बहिष्कार की नौबत नहीं आती। लेकिन ऐसा नहीं हुआ और अब इस पर सिर्फ अफसोस ही जताया जा सकता है।

दिल्ली में हुए साक्षी हत्याकांड से पूरी मानवता की रूह कांप गयी है

फिर एक और 16 साल की साक्षी की साहिल ने बेरहमी से हत्या कर दी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के शाहबाद डेयरी में हुए इस हत्याकांड ने अनेक सवाल खड़े कर दिये हैं। समाज में बढ़ती हिंसक वृत्ति, क्रूरता एवं संवेदनहीनता से केवल महिलाएं ही नहीं बल्कि हर इंसान खौफ में है। मानवीय संबंधों में जिस तरह से बालिकाओं की निर्मम हत्याएं हो रही हैं उसे लेकर बहुत सारे सवाल उठ खड़े हुए हैं। विडंबना यह है कि समाज में गहरी संवेदनहीनता पसरी है। निर्ममता-क्रूरता एवं बर्बरता हमेशा से हमारे समाज के अंधेरे कोनों में व्याप्त रही है, पर इस मामले में जिस तरह से सरेराह हिंसा एवं बेरहमी देखी गई है और उसके प्रति लोगों में जो शर्मनाक उदासीनता देखी गई है, वह अपने आप में किसी अपराध से कम नहीं है। वह हत्यारा एक नाबालिग लड़की को खुलेआम मारता रहा, इस खौफनाक एवं दर्दनाक दृश्य के दस से ज्यादा लोग साक्षी होने के बावजूद किसी ने भी हत्यारे को यह जघन्य काण्ड करने से नहीं रोका, हत्यारे ने चाकू से वार पर वार किए और लड़की का सिर तक कुचल दिया, पत्थर से भी वार किये, तब भी लोग बचाव के लिए सामने नहीं आए। कोई एक तमाशबीन भी शोर तक मचाने के लिए कुछ पल खड़ा न हुआ। एक व्यक्ति ने हत्यारे का हाथ पकड़ने की कोशिश की, पर झटके जाने के बाद हिम्मत न जुटा सका। मतलब, दस में से किसी एक व्यक्ति ने मानवीयता एवं संवेदनशीलता का तनिक भी परिचय नहीं दिया। श्रद्धा हत्याकांड एवं उसके बाद निक्की हत्याकाण्ड जैसे कई कांड?सामने आ चुके हैं। समाज बार-बार सिहर उठता है, घायल होता है। इस सिहरन को कुछ दिन ही बीते होते हैं कि नया साक्षी हत्याकांड सामने आ जाता है। इन प्रदूषित एवं विकृत सामाजिक हवाओं को कैसे रोका जाए, यह सवाल सबके सामने है। समाज को उसकी संवेदनशीलता का अहसास कैसे कराया जाए। समाज में उच्च मूल्य कैसे स्थापित किए जाएं, यह चिंता का विषय है। कभी-कभी हिंसा के ऐसे शर्मनाक एवं डरावने दृश्य सामने आते हैं कि निंदा के लिए शब्द कम पड़ने लगते हैं। इस हत्याकांड ने समाज की विकृत एवं संवेदनहीन होती स्थितियों को उधेड़ा है। नये बन रहे समाज में अगर यहां से कोई आंकड़ा निकाला जाए, तो आज समाज में दस में से कोई एक आदमी भी सामने हो रही हत्या या अन्याय को रोकने के लिए आगे नहीं आता। साक्षी अकेली जूझती रही और अंततः समाज की उदासीनता से हार गई। उस लड़की के माता-पिता बिलख रहे हैं और हत्यारे के लिए कड़ी से कड़ी सजा की मांग कर रहे हैं।

यह सराहनीय है कि काफी कम समय में पुलिस अपराधी तक पहुंच गई है। अब इस मामले में पूरी तेजी के साथ न्याय सुनिश्चित किया जाना चाहिए। ऐसे मामलों में अपराधी को त्वरित सजा एवं सख्त से सख्त सजा से ही समाज में सही संदेश दिया जा सकता है। जैसे-जैसे समाज उदार एवं आधुनिक होता जा रहा है, जड़ताओं को तोड़ कर युवा वर्ग नई एवं स्वच्छन्द दुनिया में अलग-अलग तरीके से जी रहा है, संबंधों के नए आयाम खुल रहे हैं, उसी में कई बार कुछ युवक अपने लिए बेलगाम जीवन

सुविधाओं एवं प्यार को अपनी बपौती समझ कर ऐसी हिंसक एवं अमानवीय घटनाओं को अंजाम दे रहे है। साक्षी हत्याकांड में भी अपराधी लड़के को कथित रूप से यह शिकायत थी कि लड़की उससे दोस्ती रखना नहीं चाहती थी। क्या वह लड़का इतना जाहिल एवं जानवर था कि उसे अपनी बात मनवाने के लिए सभ्य तरीके नहीं आते थे? क्या वह लड़का यह मानता था कि किसी लड़की की मर्जी का कोई अर्थ नहीं है? क्या कोई लड़की अपनी मर्जी से दोस्त भी नहीं चुन सकती? क्या जबरन दोस्ती मुमकिन है? क्या कोई दोस्ती नहीं करेगा, तो उसकी हत्या हो जाएगी? यह दुस्साहस कहां से आ रहा है। समाज और देश में ऐसे सवाल बढ़ते जा रहे हैं, जिनका जवाब सभी लोगों को सोचना चाहिए।

यद्यपि समाज में प्यार करने के तौर-तरीकों पर सवाल उठाता रहा है लेकिन जो कुछ समाज में हो रहा है वह पाश्विकता एवं दरिंदगी की हद है। प्यार हो, विवाह हो या लिव-इन रिलेशनशिप, हिंसात्मक व्यवहार और हिंसक-अंत को बीमार मानसिकता से नहीं समझा जा सकता। हिन्दू-मुस्लिम प्रेम संबंधों के बढ़ते प्रचलन से यह समझना मुश्किल है कि भरोसे की बुनियाद पर खड़े संबंधों के बीच किसी व्यक्ति के भीतर इस स्तर की संवेदनहीनता एवं उन्माद कैसे उभर आता है कि वह अपनी प्रेमिका को मार डालता है। पहले तो दुनिया से छिपा कर कोई युवक किसी युवती के साथ प्रेम संबंध में या फिर सहजीवन में जाता है, फिर किसी जटिल स्थिति के पैदा होने पर उसका मानवीय हल निकालने के बजाय वह हत्या का रास्ता अख्तियार करता है। इस तरह की मानसिकता का पनपना नये निर्मित होते समाज पर एक बदनुमा दाग है एवं बड़ा प्रश्न भी है कि इस तरह के प्रेम संबंधों की ऐसी क्रूर एवं हिंसक निष्पत्ति क्यों होती है? इस तरह के व्यवहार को कैसे सोच-समझ कर की गई किसी पेशवर अपराधी की हरकत नहीं कहा जाएगा? निश्चित तौर पर ऐसी घटनाएं कानून की कसौटी पर आम आपराधिक वारदात ही हैं, लेकिन इससे यह भी पता चलता है कि प्रेम संबंधों में भरोसा अब एक जोखिम भी होता जा रहा है!

आखिर बेटियों एवं नारी के प्रति यह संवेदनहीनता कब तक चलती रहेगी? युवतियों को लेकर गलत धारणा है कि उन्हें प्रेम, भौतिकतावादी जीवन एवं सैक्स के ख्वाब दिखाओं एवं जहां कहीं कोई रुकावट आये, उसे मार दो। एक विकृत मानसिकता भी कायम है कि बेटियां भोग्य की वस्तु हैं? जैसे-जैसे देश आधुनिकता की तरफ बढ़ता जा रहा है, नया भारत-सशक्त भारत-शिक्षित भारत बनाने की कवायद हो रही है, जीवन जीने के तरीकों में खुलापन आ रहा है, वैसे-वैसे महिलाओं एवं अबोध बालिकाओं पर हिंसा के नये-नये तरीके और आंकड़े भी बढ़ते जा रहे हैं। अवैध व्यापार, बदला लेने की नीयत से तेजाब डालने, साइबर अपराध, प्रेमी द्वारा प्रेमिका को क्रूर तरीके से मार देने और लिव इन रिलेशन के नाम पर यौन शोषण हिंसा के तरीके हैं। कौन मानेगा कि यह वही दिल्ली है, जो करीब दस साल पहले निर्भया के साथ हुई निर्ममता पर इस कदर आन्दोलित हो गई थी कि उसे इंसाफ दिलाने सड़कों पर निकल आई थी। अब ऐसा सन्नाटा क्यों?

जाहिर है, समाज की विकृत सोच को बदलना ज्यादा जरूरी है। बालिकाओं के जीवन से खिलवाड़ करने, उन्हें बीमार मानसिकता के साथ प्रेम-संबंधों में डालने, उनके साथ रेप, हत्या जैसे अपराध करने की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने और पुलिस व्यवस्था को और चाक-चौबंद करने की मांग के साथ समाज के मन-मिजाज को दुरुस्त करने का कठिन काम भी हाथ में लेना होगा। यह घटना शिक्षित समाज के लिए बदनुमा दाग है। अब एक सभ्य समाज के रूप में हमें अपने नागरिकों को उनके कर्तव्यों का बोध कराना ही जरूरी हो गया है। हम अपना हक पाने का, मांगने के लिए तो कहीं भी लड़ जाते हैं, लेकिन कर्तव्य या जिम्मेदरी निभाने की जब बात आती है तो कतरा कर निकल जाते हैं। यह समय है, जब हमें व्यापक रूप से समाज और संस्कृति सुधार के बारे में सोचना चाहिए। अगर ऐसी घटनाएं होती रहीं तो फिर कानून का खौफ किसी को नहीं रहेगा और सरेआम इस तरह की हत्याओं से किसी का भी जीवन कैसे सुरक्षित होगा। समाज तमाशबीन बना रहेगा तो फिर कौन रोकेगा हिंसा, हत्या, हैवानियत, बलात्कार को, और प्रेम-प्यार के नाम पर ऐसी हिंसक दरिंदगी को।

पार्किंग की समस्या तेजी से विकराल रूप लेती जा रही है, इसके जल्द समाधान के प्रयास करने होंगे

भले ही यह बात थोड़ी अजीब अवश्य लगे पर अब शहरों में निजी चौपहिया वाहनों की पार्किंग की समस्या गंभीर होती जा रही है। यह भी सही है कि यह समस्या केवल और केवल हमारे महानगरों की ही नहीं अपितु दुनिया के अधिकांश देशों के सामने तेजी से विस्तारित होती जा रही है। दुनिया के देश चौपहिया वाहनों की पार्किंग समस्या से दो चार हो रहे हैं और इस समस्या के समाधान के लिए अनेक विकल्पों पर मंथन कर रहे हैं। यहां तक की पार्किंग शुल्क से अच्छी खासी आय होने लगी है। अकेले भारत की ही बात करें तो देश में करीब पांच करोड़ कारें चलन में हैं। एक मोटे अनुमान के अनुसार दिल्ली में उपलब्ध कारों की पार्किंग के लिए ही चार हजार से अधिक फुटबाल के मैदानों जितनी जगह की आवश्यकता है। अगर दिल्ली की ही पार्किंग से आय की बात करें तो यह कोई 9800 करोड़ से अधिक की हो जाती है। देश के किसी भी कोने में किसी भी शहर की गलियों में निकल जाएं तो देखेंगे कि गलियों में घरों के बाहर सड़क की आधी जगह तो कारों के पार्किंग से ही सटी होती हैं। यानी कि एक ही घर में एक से अधिक कार/वाहन होना अब आम होता जा रहा है। किसी भी शहर में ऑफिस या बाजार खुलने बंद होने के समय तो जाम लग जाना आम होता जा रहा है। यह सब तो तब है जब देश में आबादी की तुलना में यह माना जा रहा है कि कारों की संख्या कम है। आने वाले सालों में कारों की संख्या में इजाफा ही होगा। इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती। यातायात के हालात यह होते जा रहे हैं कि कई बार तो चंद कदमों की दूरी पार करने में ही लंबा समय लग जाता है।

दरअसल इस सबके अनेक कारणों में उपनगर विकसित करने पर ध्यान नहीं देना, व्यास्ततम स्थानों पर ही बहुमंजिला इमारतें बनाने की छूट देना, शहरी सार्वजनिक यातायात तंत्र का विकसित नहीं होना, वाहनों की खरीद सहज होना और वाहनों की पार्किंग के लिए दूरगामी योजना का अभाव होना भी शुमार हैं। अब तो हालात यहां तक होने लगे हैं कि पार्किंग को लेकर झगड़ा या यों कहें कि

जानलेवा विवाद होना तक आम होता जा रहा है। रोडरेज की घटनाएं दिन-प्रतिदिन बढ़ने लगी हैं। दरअसल चौपहिया वाहनों की जिस तरह से सुगम ऋण सुविधा व पैसों के तेजी से बढ़ते प्रवाह के कारण सहज पहुंच हुई है उसका एक सकारात्मक परिणाम यह सामने आया है कि जिस तरह से अमीर गरीब सभी के लिए मोबाइल आम होता जा रहा है ठीक उसी तरह से चौपहिया वाहन आम होता जा रहा है। जहां तक पैसों वालों का प्रश्न है तो उनके घरों में एक से अधिक वाहन होना तो सामान्य बात है। तस्वीर का दूसरा पहलू यह भी है कि थोड़ी-सी भी अच्छी माली हालत वाले लोग अब महंगी और एसयूवी वाहनों की ओर शिफ्ट करते जा रहे हैं। किसी भी शहर की गलियों में आधा फुटपाथ तो वाहनों की पार्किंग के कारण ही देखा जा सकता है। लोगों की सोच या डिमांड में भी अंतर आया है और अब लोग छोटी कार लेना पसंद ही नहीं करते। नैनो जैसी छोटी कार के परिणाम हमारे सामने हैं। घर में जगह नहीं होने के कारण सड़कों पर ही गाड़ियां खड़ी करनी पड़ती हैं।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी की मानें तो 2050 तक दुनिया के देशों में केवल और केवल कारों की पार्किंग के लिए ही 80 हजार वर्ग किलोमीटर स्थान की आवश्यकता होगी। यानी कि इतनी जगह कि छोटा मोटा देश आसानी से इस जगह में समा सके। हालांकि पुराने कबाड़ को लेकर दुनिया के देशों की सरकारें योजनाएं बना रही हैं पर यह भी अपने आप में एक समस्या बनती जा रही है। खैर इस पर अलग से बहस हो सकती है। पर सवाल वहीं का वहीं है कि कार कारोबार में अभी तेजी आनी ही है। ऐसे में शहरी विकास संस्थाओं और योजना नियंताओं को निजी कारों की पार्किंग को लेकर ठोस कार्ययोजना तैयार करनी ही होगी। मजे की बात यह है कि अब कार बाजार इलेक्ट्रिक कारों में शिफ्ट होता जा रहा है, ऐसे में चार्जिंग स्टेशनों के लिए भी जगह तलाशनी ही होगी। क्योंकि देर सबेर कारों का यह कारोबार ईवी में ही शिफ्ट होना है। यदि पार्किंग स्थलों पर ही चार्जिंग की व्यवस्था होगी तो समस्या का थोड़ा समाधान देखा जा सकेगा। दरअसल अब समय आ गया है जब किराए के मकानों की तरह किराए के पार्किंग स्थल बनाए जाएं और वहीं पर कारों से संबंधित आवश्यक आवश्यकताओं की भी पूर्ति हो सके। जैसे हवा-पानी, सामान्य रिपेयर, साफ-सफाई, चार्जिंग आदि की सुविधाएं हो। इस तरह की पेड पार्किंग स्थानों पर ऑटोमेटिक बहुमंजिला पार्किंग व्यवस्था हो तो स्थिति और भी अधिक सुविधाजनक हो सकती है। बहु मंजिला इमारतों और माल्स में भी पार्किंग की अधिक सुविधा होना समय की मांग हो गई है।

मोदी सरकार की तमाम योजनाओं और प्रयासों के बावजूद गंगा मैली क्यों है?

गंगा की सफाई, उसे प्रदूषण मुक्त करने एवं नदियों के माध्यम से आर्थिक विकास, धार्मिक आस्था एवं पर्यटन की संभावनाओं को तलाशने की दृष्टि से वर्तमान उत्तर प्रदेश सरकार एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तमाम प्रयासों के बावजूद गंगा आज भी मैली क्यों है? यह सवाल सरकार के नदियों को स्वच्छ बनाने के लिए लंबे समय से चल रही तमाम योजनाओं और कार्यक्रमों की पोल खोलते हैं। सरकार की ओर से घोषणाएं करने में शायद ही कभी कमी की जाती है, मगर उन पर अमल को लेकर कहां चूक या लापरवाही बरती जा रही है, इस पर गौर करना कभी जरूरी नहीं समझा जाता। सरकार यह समझे कि उसे केवल गंगा को साफ ही नहीं करना, बल्कि उसकी निर्मलता एवं अविरलता के लिये एक अनूठा उदाहरण भी पेश करना है। ऐसा करके ही देश की अन्य नदियों को भी प्रदूषणमुक्त करने की दिशा में सकारात्मक वातावरण निर्मित किया जा सकेगा। गौरतलब है कि गंगा नदी पर अधिकार संपन्न कार्यबल यानी ईटीएफ की पिछले महीने हुई ग्यारहवीं बैठक में यह जानकारी भी सामने आई कि उत्तरकाशी में सुरंग के निर्माण के कारण इसके मलबे को गंगा नदी के किनारे डाल दिया गया। सरकार की अन्य विकास योजनाएं ही गंगा का प्रदूषित करने का जब जरिया बन रही है तो इसी गंगा नदी एवं अन्य नदियों में उद्योगों से विभिन्न रसायन, चीनी मिल, भट्टी, ग्लिस्रिन, टिन, पेंट, साबुन, कताई, रेयान, सिल्क, सूत, प्लास्टिक थैलियां-बोतले आदि जहरीले कचरे बड़ी मात्रा में मिलते हैं, तो कोई आश्चर्य की बात नहीं है। गंगा कायाकल्प का दृष्टिकोण 'अविरल धारा' (सतत प्रवाह), 'निर्मल धारा' (प्रदूषणरहित प्रवाह) को प्राप्त करके और भूगर्भीय और पारिस्थितिक अखंडता को सुनिश्चित करके नदी की अखंडता को बहाल करने की समग्र योजना और रखरखाव के बावजूद गंगा लगातार प्रदूषित हो रही है। जबकि सरकार क्रॉस-सेक्टोरल सहयोग को प्रोत्साहित करने वाली नदी बेसिन रणनीति को लागू करके गंगा नदी के प्रदूषण को समाप्त करने और पुनरोद्धार को सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रही है। यह पानी की गुणवत्ता और पारिस्थितिक रूप से जिम्मेदार विकास को बनाए रखने की दृष्टि से गंगा नदी में न्यूनतम जैविक प्रवाह भी सुनिश्चित करता है। इन बहुआयामी योजनाओं के बावजूद गंगा स्वच्छता अभियान अब तक कहां पहुंचा है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि आज भी गंगा जैसी अहम नदी को स्वच्छ बनाने की कोई पहल करनी पड़ रही है। हालत यह है कि अलग-अलग मौके पर लागू दिशा-निर्देशों के बावजूद कम से कम मलबा डालने पर भी रोक नहीं लगाई जा सकी है। प्रदूषित नालों से गन्दगी गंगा में लगातार डाली जा रही है। यह समझना मुश्किल नहीं है कि समस्या शायद योजनाओं या कार्यक्रमों की नहीं होगी, उनके अमल में बरती गई लापरवाही या फिर गड़बड़ियों की वजह से किसी बड़ी और बेहद महत्वपूर्ण पहलकदमी का भी हासिल शून्य हो सकता है।

अब एक बार फिर केंद्र सरकार ने गंगा नदी के किनारे मलबा डाले जाने या गांवों का गंदा पानी नदी में गिराने से प्रदूषण का स्तर बढ़ने पर संज्ञान लिया है। इसके तहत सरकार नदी किनारे स्थित चार चौबीस सौ नाले को चिन्हित करके इनकी 'जियो टैगिंग' करेगी। सरकार इनसे ठोस कचरा प्रवाहित होने से रोकने के लिए एक 'एरेस्टर स्क्रीन' लगाएगी। यह गंगा नदी में अलग-

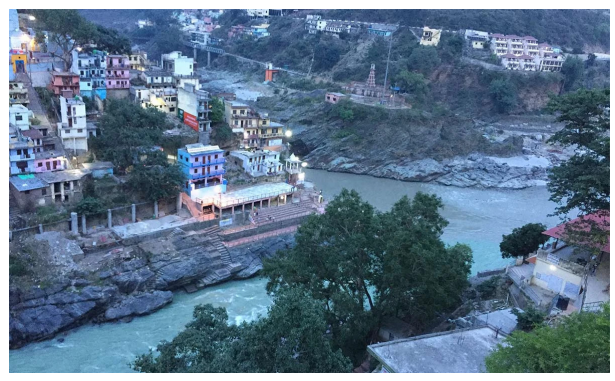

अलग वजहों से होने वाले प्रदूषण को रोकने के अलावा किया जा रहा उपाय है। अब यह उम्मीद की जा सकती है कि इसके जरिए मानव सभ्यता के लिए एक बेहद जरूरी नदी में फिर से जीवन भर सकेगा। वास्तव में गंगा एक संपूर्ण संस्कृति की वाहक रही है, जिसने विभिन्न साम्राज्यों का उत्थान-पतन देखा, किंतु गंगा का महत्व कम नहीं हुआ। आधुनिक शोधों से यह भी प्रमाणित हो चुका है कि गंगा की तलहटी में ही उसके जल के अद्भुत और चमत्कारी होने के कारण मौजूद हैं। यद्यपि औद्योगिक विकास ने गंगा की गुणवत्ता को दूषित किया है, किन्तु उसका महत्व यथावत है। उसका महात्म्य आज भी सर्वोपरि है। गंगा स्वयं में संपूर्ण संस्कृति है, संपूर्ण तीर्थ है, उन्नत एवं समृद्ध जीवन का आधार है, जिसका एक गौरवशाली इतिहास रहा है।

एक ज्वलंत सवाल और होना चाहिए कि गंगा नदी को स्वच्छ बनाने के लिए दशकों से लागू गंगा कार्ययोजना या नमामि गंगे जैसे महत्वाकांक्षी कार्यक्रम और अन्य नीतियों के बावजूद आज भी इतनी बड़ी तादाद में ठोस कचरा या अन्य तरह की गंदगी बहाने वाले नालों पर कैसे रोक नहीं लग सकी? भारत में मुख्य नदी खासतौर से गंगा भारतीय संस्कृति और विरासत से अत्यधिक गहरे रूप में जुड़ी हुई है। मार्च, 2017 में उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार ने सत्ता में आने के बाद गंगा की स्वच्छता और निर्मलता सुनिश्चित करने के मोदी सरकार के लक्ष्य को आवश्यक गति और दिशा दी। अप्रैल, 2017 में कानपुर व कन्नौज में स्थित चमड़े के कारखानों को समयबद्ध योजना के तहत अन्यत्र स्थानांतरित करने की घोषणा की गई और औद्योगिक कचरे व अपशिष्ट पदार्थों के गंगा में मिलने से रोकने हेतु जलशोधन संयंत्र लगाने की योजना पर कार्य प्रारंभ किया गया।

गंगा किनारे के गांवों में शौचालय निर्माण पर जोर देकर खुले में शौच पर रोक लगाने की दिशा में काम शुरू किया गया। 'नमामि गंगे' परियोजना व स्वच्छ गंगा हेतु राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत प्रदेश में गंगा किनारे के 1,604 गांवों में 3,88,340 शौचालयों का निर्माण करवाकर उन्हें खुले में शौच से मुक्त गांव घोषित किया गया और नदी किनारे एक करोड़ 30 लाख पौधों का रोपण किया गया। गंगा को निर्मल बनाने के लिए घाट, मोक्षधाम, बायो डायवर्सिटी आदि से जुड़े 245 प्रोजेक्ट पर तेजी से काम हो रहा है। गंगा की 40 सहायक नदियों में प्रदूषित जल का प्रवेश रोकने के लिए दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार में 170 परियोजनाओं पर काम चल है। एक और राहत की खबर जो उम्मीद की किरण बन कर सामने आयी है कि गंगा में विषाक्त कचरा उड़ेलने वाली औद्योगिक इकाइयों में कमी आ रही हैं। सरकार के प्रयासों से गंगा के तटों का सौन्दर्यकरण भी बड़े पैमाने पर किया जा रहा है, जिससे पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा। मोदी सरकार ने एक सराहनीय पहल करके स्वच्छ गंगा कोष की स्थापना की है, जिसमें स्थानीय नागरिक व भारतीय मूल के विदेशी व्यक्ति और संस्थाएं आर्थिक, तकनीकी व अन्य सहयोग कर सकते हैं। स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें मिली विभिन्न भेंटों व स्मृति चिह्नों की नीलामी से प्राप्त 16 करोड़ 53 लाख रुपये की राशि इसी कोष में दी है।

तमाम योजनाओं एवं प्रयासों के गंगा नदी के जल में ठोस कचरा का स्तर बढ़ गया। इससे जलमल शोधन संयंत्रों में गंदे पानी का शोधन करने में समस्याएं आ रही हैं। हैरानी की बात यह है कि करीब साढ़े तीन दशक से गंगा परियोजना सहित अन्य तमाम कार्यक्रमों जैसे अभियानों के बीच क्या गंगा को प्रदूषित करने वाला यह कोई नया कारक खोजा गया है? अगर नहीं, तो इस समस्या को चिन्हित करने में इतना लंबा वक्त कैसे लग गया? लगभग तीन साल पहले यह खबर आई थी कि सरकार 2022 तक गंगा नदी में गंदे नालों के पानी को गिराने से पूरी तरह रोक देगी और इस मसले पर एक मिशन की तरह काम चल रहा है। लेकिन हकीकत यह है कि इसके एक साल बाद चौबीस से ज्यादा नाले चिन्हित किए गए हैं, जिनकी गंदगी और कचरे से गंगा का जीवन धीरे-धीरे छीज रहा है। यह स्थिति बताती है कि इस नदी के निर्मलीकरण के लिए चलाई जाने वाली योजनाओं की उपलब्धि वास्तव में कितनी है। नीतियों और योजनाओं के बरक्स उन पर अमल की यह तस्वीर राजनीति इच्छाशक्ति एवं प्रशासनिक लापरवाही को ही दर्शाती है।

संक्षिप्त समाचार

छात्रावास में गोलीबारी में आठ लोगों की मौत

केपटाउन। दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी शहर डरबन के पास एक पुरुष छात्रावास में घुसे बंदूकधारियों ने आठ लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी और दो अन्य को घायल कर दिया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि उमलाजी बस्ती में शनिवार तड़के हुई गोलीबारी में सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आठवें व्यक्ति ने रविवार को दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि घटना में घायल हुए दो अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ओडिशा रेल हादसा : घायल यात्रियों की देखरेख के लिए ममता ने दार्जिलिंग का दौरा किया रद्द

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ओडिशा के बालासोर ट्रेन हादसे में घायल हुए राज्य के यात्रियों के इलाज तथा पुनर्वास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए दार्जिलिंग का अपना चार दिवसीय दौरा रद्द कर किया है। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सचिवालय के सूत्रों ने बताया कि तृणमूल कांग्रेस पार्टी की प्रमुख को दार्जिलिंग के दौरे पर जाना था जहां वह इस साल होने वाले पंचायत चुनाव से पहले इस पहाड़ी क्षेत्र में सभी राजनीतिक दलों के सदस्यों से मिलने वाली थीं।

एक सार्वजनिक शौचालय में बम विस्फोट,नाबालिग की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में सोमवार को एक सार्वजनिक शौचालय में हुए बम विस्फोट में 11 वर्षीय एक लड़के की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सुभासपल्ली निवासी नाबालिग बनगांव इलाके में रेल गेट-1 के पास स्थित सार्वजनिक शौचालय में गया था, जहां विस्फोट हुआ। विस्फोट में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि लड़के को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अधिकारी के अनुसार, ऐसा प्रतीत होता है कि बक्सीपल्ली इलाके के एक सार्वजनिक शौचालय में रखा बम फट गया।

ऑनलाइन कंपनी के ग्राहकों का डाटा चुराने का आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान पुलिस की विशेष शाखा 'स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप' (एसओजी) ने एक प्रमुख ऑनलाइन कंपनी के ग्राहकों का डाटा चुराकर उससे पैसे ऐंठने के आरोप में एक साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उदयपुर निवासी आरोपी संजय सोनी (36) ने महिलाओं के अंतःवस्त्र बेचने वाली एक ऑनलाइन कंपनी के ग्राहकों के डाटा में सेंध लगाई। अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने कंपनी से पैसे ऐंठने के लिए मामले को सोशल मीडिया पर सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की, जिसमें आरोप लगाया गया कि हिंदू महिलाओं से संबंधित डेटा को "लव जिहाद" और धर्म परिवर्तन के लिए बेचा जा रहा था।

राम राज्य को वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं योगी

लखनऊ। देवभूमि भारतवर्ष की यह विशेषता रही है कि समय के सापेक्ष जनकल्याण के वास्ते वह अपना नेतृत्व पैदा कर लेती है। जब जब प्राणिमात्र पर संकट मंडराता है तो वह अपनी कोख से ऐसे शूरवीर पैदा करती है, जिसके सामने पड़ते ही दुनियावी राक्षस प्रवृत्ति के आततायी निस्तेज हो जाते हैं और अंततोगत्वा मारे जाते हैं। मर्यादा पुरूषोत्तम राम और सोलहों सांसारिक कलाओं में निपुण राजरसिया भगवान श्रीकृष्ण की परंपरा में उन्हें आप 'लोकतांत्रिक अवतार' समझ सकते हैं। यह बात मैं नहीं कह रहा, बल्कि ईश्वर साधना भूमि समझी जाने वाली उत्तरप्रदेश की विगत 6 वर्षों की प्रशासनिक उपलब्धियां बोल रही हैं, जब हम देश के लगभग ढाई दर्जन दूसरे राज्यों से इसकी तुलना करते हैं तो! अपने राजनैतिक विरोधियों के खिलाफ वह जिस तरह से शाम-दाम-दंड-भेद की नीति का अवलंबन कर रहे हैं, वह अविस्मरणीय, अतुलनीय और अद्भुत है। उन्हें चाहने वाले बताते हैं कि जब सम्पूर्ण पूर्वी उत्तर प्रदेश जेहाद, धर्मान्तरण, नक्सली व माओवादी हिंसा, भ्रष्टाचार तथा अपराध की अराजकता में जकड़ा था, उसी समय नाथपंथ के विश्व प्रसिद्ध मठ श्री गोरक्षनाथ मंदिर गोरखपुर के पावन परिसर में शिव गोरक्ष महायोगी गोरखनाथ जी के अनुग्रह स्वरूप माघ शुक्ल 5 संवत् 2050 तदनुसार 15 फरवरी सन् 1994 की शुभ तिथि पर गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ जी महाराज ने अपने उत्तराधिकारी योगी आदित्यनाथ जी का दीक्षाभिषेक सम्पन्न किया, जो बदलते समय के सापेक्ष एक युगान्तकारी निर्णय साबित हुआ। बताया जाता है कि योगीजी का जन्म देवाधिदेव भगवान् महादेव की उपत्यका में स्थित देव-भूमि उत्तराखण्ड में 5 जून सन् 1972 को हुआ। शिव अंश की उपस्थिति ने छात्ररूपी योगी जी को शिक्षा के साथ-साथ सनातन हिन्दू धर्म की विकृतियों एवं उस पर हो रहे प्रहार से व्यथित कर दिया।

प्रारब्ध की प्राप्ति से प्रेरित होकर आपने 22 वर्ष की अवस्था में सांसारिक जीवन त्यागकर संन्यास ग्रहण कर लिया। आपने विज्ञान वर्ग से स्नातक तक शिक्षा ग्रहण की तथा छात्र जीवन में विभिन्न राष्ट्रवादी आन्दोलनों से जुड़े रहे। खास बात यह कि आपने संन्यासियों के प्रचलित मिथक को तोड़ा। धर्मस्थल में बैठकर आराध्य की उपासना करने के स्थान पर आपने आराध्य के द्वारा प्रतिस्थापित सत्य एवं उनकी सन्तानों के उत्थान हेतु एक योगी की भाँति गाँव-गाँव और गली-गली निकल पड़े। सत्य के आग्रह पर देखते ही देखते राष्ट्र भक्तों की सेना चलती रही और उनकी एक लम्बी कतार आपके साथ जुड़ती चली गयी। इस अभियान ने एक आन्दोलन का स्वरूप ग्रहण किया और हिन्दू पुनर्जागरण का इतिहास सृजित हुआ। वहीं, अपनी ऊर्जावान पीठ की परम्परा के अनुसार आपने पूर्वी उत्तर प्रदेश में व्यापक जनजागरण का अभियान चलाया। सहभोज के माध्यम से छुआछूत और अस्पृश्यता की भेदभावकारी रूढ़ियों पर जमकर प्रहार किया। वृहद् हिन्दू समाज को संगठित कर राष्ट्रवादी शक्ति के माध्यम से हजारों मतान्तरित हिन्दुओं की ससम्मान घर वापसी का कार्य किया। गोसेवा के लिए आम जनमानस को जागरूक करके गोवंशों का संरक्षण एवं सम्वर्धन करवाया। पूर्वी उत्तर प्रदेश में सक्रिय समाज विरोधी एवं राष्ट्रविरोधी गतिविधियों पर भी प्रभावी अंकुश लगाने में आपने सफलता प्राप्त की। आपके हिन्दू पुनर्जागरण अभियान से प्रभावित होकर गाँव, देहात, शहर एवं अट्टालिकाओं में बैठे युवाओं ने इस अभियान में स्वयं को पूर्णतया समर्पित कर दिया।

अमेरिका में खालिस्तानियों ने किया राहुल गांधी का विरोध, लगाए वापस जाओ के नारे

वाशिंगटन। राहुल गांधीअमेरिका के छह दिवसीय दौरे पर हैं। न्यूयॉर्क में भारतीय-अमेरिकी डायस्पोरा को संबोधित करने से पहले दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिलीं। एक वीडियो में खालिस्तान चरमपंथियों के एक समूह को कांग्रेस नेताओं के लिए 'वापस जाओ' के नारे लगाते हुए दिखाया गया है, जबकि बच्चों सहित अन्य उपस्थित लोगों ने तिरंगे को पकड़कर और राहुल के आगमन का बेसब्री से इंतजार करते हुए अपना उत्साह दिखाया। प्रेस के साथ बातचीत के दौरान, एक व्यक्ति कांग्रेस नेता की तस्वीर वाले एक पोस्टर के पास खड़ा था और राहुल की कन्याकुमारी से कश्मीर तक की 145 दिनों की पैदल यात्रा की उल्लेखनीय यात्रा के लिए प्रशंसा व्यक्त की। उन्होंने उनके प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह राष्ट्र के लिए सकारात्मक योगदान दे रहे हैं। राहुल ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी पर अपना हमला जारी रखा और आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस भविष्य को देखने में असमर्थ हैं और केवल अतीत के बारे में बात कर सकते हैं। न्यूयॉर्क में जेविट्स सेंटर में प्रवासी भारतीयों की सभा में राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय कार चलाने की कोशिश कर रहे हैं और वो रियर-व्यू मिरर में देखते हैं। तब उसे समझ नहीं आता कि यह कार आगे क्यों नहीं बढ़ रही है, क्यों दुर्घटनाग्रस्त हो रही है। भाजपा के साथ, आरएसएस के साथ भी यही विचार है। आप मंत्रियों की सुनते हैं, आप प्रधानमंत्री की सुनते हैं। आप उन्हें भविष्य के बारे में बात करते हुए कभी नहीं पाएंगे। वे केवल अतीत के बारे में बात करते हैं।

तमिलनाडु में टला रेल हादसा! कोल्लम-चेन्नई एक्सप्रेस के कोच में आई दरार, बीच रास्ते में जोड़ा गया दूसरा कोच

तेनकासी (तमिलनाडु): एक और बड़ा रेल हादसा होते-होते टल गया, क्योंकि रेलवे कर्मचारियों ने तमिलनाडु के सेनगोट्टई स्टेशन में प्रवेश करते समय चेन्नई एग्मोर एक्सप्रेस के पहिये के ऊपर एक कोच के आधार पर एक बड़ी दरार देखी, दक्षिण रेलवे को सूचित किया। रेलवे कर्मचारियों ने दोपहर 3:36 बजे इस क्षति को देखा, विशेष कोच (ए3) ने तुरंत कोच को अलग कर दिया और यात्रियों को अन्य कोचों में बिठा दिया। डेढ़ घंटे की देरी के बाद ट्रेन शाम 4:40 बजे मदुरै के लिए रवाना हुई।

तमिलनाडु के सेनगोट्टई रेलवे स्टेशन पर कोल्लम जंक्शन-चेन्नई एग्मोर एक्सप्रेस के एक कोच के चेसिस पर सतर्क रेलवे कर्मचारियों ने दरार देखी तो एक बड़ी आपदा टल गई। दक्षिणी रेलवे के

सीपीआरओ बी गुगनेसन ने कहा, 'कोल्लम से चेन्नई एग्मोर एक्सप्रेस (16102) के कोच के उपर के बेस में उस समय दरार आ गई जब ट्रेन ने पुनालुर फॉरेस्ट डिवीजन को पार किया। रेलवे कर्मचारियों ने इस पर ध्यान दिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।' दक्षिण रेलवे ने कहा कि दरार का पता लगाने वाले कर्मचारियों की सतर्कता निगरानी के लिए सराहना की जाएगी और आज मंडल रेल प्रबंधक, मदुरै मंडल द्वारा सम्मानित किया जाएगा। 'कल दोपहर 3:36 बजे ऐं स्टाफ ने ट्रेन नंबर 16102 (चेन्नई एग्मोर एक्सप्रेस) के ए3 कोच में तमिलनाडु के सेनगोट्टई स्टेशन में प्रवेश करते समय एक दरार देखी। रेलवे अधिकारियों ने तुरंत कोच को अलग कर दिया और यात्रियों को अन्य कोचों में बिठा दिया जिसके बाद ट्रेन शाम 4:40 बजे रवाना हुई। दरार का पता लगाने वाले कर्मचारियों की सतर्कता निगरानी के लिए सराहना की जाएगी और मंडल रेल प्रबंधक, मदुरै मंडल द्वारा आज सम्मानित किया

अनुराग ठाकुर ने ममता पर साधा निशाना

ठाणे। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने ओडिशा ट्रेन दुर्घटना में मरने वालों की आधिकारिक संख्या पर सवाल उठाने को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर रविवार को निशाना साधा और कहा कि किसी को भी इस त्रासदी पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। इससे पहले दिन में, ममता बनर्जी ने ट्रेन दुर्घटना के संबंध में रेल मंत्रालय द्वारा दिये गए आंकड़ों पर सवाल उठाते हुए कहा कि अकेले उनके राज्य के ही 61 लोगों की मौत हुई है और 182 अब भी लापता हैं। केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने महाराष्ट्र के ठाणे जिले के उल्हासनगर शहर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि ओडिशा ट्रेन दुर्घटना दिल दहला देने वाली है।

मुख्तार अंसारी को बड़ा झटका, अवधेश राय हत्याकांड में दोषी करार, 32 साल बाद आया फैसला

लखनऊ। गैंगस्टर मुख्तार अंसारी को कोर्ड से बड़ा झटका लगा है। वाराणसी की एमपी-एमएलए कोर्ट ने मुख्तार अंसारी को अवधेश राय हत्याकांड में दोषी करार दिया है। इस मामले में कोर्ट ने 32 साल बाद अपना फैसला सुनाया है। वाराणसी की अदालत ने सोमवार को अपना फैसला सुनाते हुए मुख्तार अंसारी को दोषी करार दिया है। खबर यह है कि कोर्ट आज दो बजे उसे सजा सुनाएगा। आपको बता दें कि तीन अगस्त 1991 में वाराणसी के लहुराबीर इलाके में हथियारबंद हमलावरों ने अवधेश राय की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

इस मामले में लंबी जांच चली। मुख्तार अंसारी को नामजद बनाया गया था। अवधेश के भाई अजय राय ने केस दर्ज

कराया था। हमले में अवधेश राय को गोलियों से छलनी कर दिया गया था।

उत्तर प्रदेशः अवधेश राय हत्याकांड में जेल में बंद माफिया मुख्तार अंसारी को वाराणसी की श्इ र्श्ई कोर्ट ने दोषी करार दिया।

3 अगस्त 1991 को कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक अजय राय के भाई अवधेश राय की वाराणसी में अजय राय के घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

आगामी सभी चुनाव मिलकर लड़ेंगी भाजपा शिवसेना

मुम्बई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को घोषणा की कि शिवसेना और भाजपा ने आगामी 2024 लोकसभा चुनाव, राज्य विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनाव सहित सभी चुनाव संयुक्त रूप से लड़ने का फैसला किया है। नई दिल्ली में शिंदे, डिप्टी सीएम और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस और गृह मंत्री अमित शाह के बीच एक बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया। शिंदे ने एक ट्वीट में कहा कि इस बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि शिवसेना और भाजपा राज्य में आगामी सभी चुनाव (लोकसभा, विधानसभा, स्थानीय निकायों के चुनाव सहित) मिलकर लड़ेंगी। शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र के विकास के लिए शिवसेना-बीजेपी गठबंधन 'मजबूत' है। उन्होंने कहा कि भविष्य में हम साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे और बहुमत से जीतकर महाराष्ट्र को

सभी क्षेत्रों में देश का नंबर एक राज्य बनाएंगे, विकास की दौड़ जारी रखेंगे। शाह से मुलाकात के दौरान कृषि और सहकारिता समेत राज्य के कई मुद्दों पर चर्चा हुई। शिंदे ने कहा कि राज्य में लंबित परियोजनाओं को अब सुव्यवस्थित किया गया है और वे पूरा होने की ओर हैं। हमें विभिन्न परियोजनाओं के लिए हमेशा प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से मार्गदर्शन मिला है। सहकारिता क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए हमने शाह से मुलाकात की। यह दौरा राज्य में शिंदे-फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार के एक साल पूरा होने से पहले हो रहा है। पूरे मामले पर उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पहले आलाकमान महाराष्ट्र में था लेकिन अब शिंदे का आलाकमान दिल्ली में है। वह बाला साहेब और शिवसेना की बात करते हैं लेकिन दिल्ली में 'मुजरा' करते हैं। असली शिवसेना कभी किसी के आगे नहीं झुकी। एक साल हो गया लेकिन कैबिनेट विस्तार नहीं हुआ, इससे पता चलता है कि यह सरकार जा रही है।

अमित शाह से मुलाकात के बाद बोले एकनाथ शिंदे, शिवसेना-भाजपा मिलकर लड़ेंगी आगामी सभी चुनाव

मुम्बई। महाराष्ट्र की राजनीति अपने आप में दिलचस्प रहती है। उद्धव ठाकरे गुट से अलग होने के बाद एकनाथ शिंदे भाजपा के साथ मिलकर सरकार

चला रहे हैं। रविवार रात को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से दिल्ली में मुलाकात के बाद एकनाथ शिंदे ने बड़ा बयान देते हुए साफ तौर पर कहा कि उनके नेतृत्व वाली शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नगर निकाय सहित आगामी सभी चुनाव साथ मिलकर लड़ेंगे। शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस रविवार शाम दिल्ली गए थे और उन्होंने शाह से मुलाकात की थी।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि मैं और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कल दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की, यह एक सकारात्मक बैठक थी। जिस दिन से हमारी सरकार बनी है, तब से महाराष्ट्र सरकार को केंद्र का पूरा समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि कैबिनेट विस्तार को लेकर चर्चा हुई और हमारा (भाजपा-शिवसेना) गठबंधन बहुत मजबूत है, हम सभी चुनाव मिलकर लड़ेंगे। शिंदे ने कहा कि शाह से मुलाकात के दौरान कृषि और सहकारिता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने ट्वीट किया, ''हमें विभिन्न परियोजनाओं के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हमेशा मार्गदर्शन मिला है। हमने सहकारिता के क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए शाह से मुलाकात की।

पिछले साल, शिंदे ने 39 अन्य विधायकों के साथ शिवसेना (तब अविभाजित) नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह किया था। विद्रोह के कारण शिवसेना में विभाजन हुआ और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी सरकार गिर गई। शिंदे ने बाद में भाजपा से हाथ मिला लिया और मुख्यमंत्री बने। भाजपा के देवेंद्र फडणवीस उपमुख्यमंत्री बने।

चीन की नई चाल, अक्साई चिन में तेजी से कर रहा निर्माण

भारत की कैसे बढ़ा सकता है परेशानी

इस्लामाबाद। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत और चीन दोनों के सैनिक तैनात हैं। दोनों देशों के बीच अभी भी बॉर्डर पर विभिन्न मसलों को लेकर टेंशन है। अभी कुछ दिनों पहले ही एलएसी के पास चीन की बड़ी साजिश का खुलासा हुआ है। एलएसी पर चीनी सेना ने तैयारी बढ़ दी है। हवाई क्षेत्र, हेलीपैड निर्माण भी तेजी से चल रहा है। वहीं अब अक्साई चिन को लेकर भी चीन की करतूत उजागर हुई है। अमेरिका के थिंक टैंक चैटहम हाउस ने दावा किया है कि चीन विवादित अक्साई चिन में भी निर्माण कर रहा है। वो इलाकों में सड़कें, आउटपोस्ट, कैंप और हेलीपोर्ट बनाने में लगा हुआ है। यूके स्थित थिंक टैंक की रिपोर्ट अक्टूबर 2022 से छह महीनों में ली गई सैटेलाइट तस्वीरों के विश्लेषण पर आधारित है और वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के चीनी पक्ष पर बुनियादी ढांचे के बड़े पैमाने पर रैंपिंग के अन्य सबूतों पर आधारित है। चैटहम हाउस को रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स के नाम से भी जाना जाता है। उसने बताया है कि अक्साई चिन की सैटेलाइट तस्वीरें विस्तारित सड़कें, चौकी और पार्किंग क्षेत्र, सौर पैनल और यहां तक कि हेलीपैड से सुसज्जित आधुनिक मौसमरोधी शिविर दिखाती हैं। 2020 के बाद से एलएसी के साथ चीन के हवाई क्षेत्रों के विस्तार ने पीएलए के लिए व्यापक संचालन करने और कुछ क्षेत्रों में भारत के तुलनात्मक लाभों का मुकाबला करने की क्षमता पैदा की है। सीमा गतिरोध ने भारत-चीन संबंधों को छह दशक के निचले स्तर पर ले लिया है। विशेष रूप से जून 2020 में गालवान घाटी में एक क्रूर संघर्ष के बाद 20 भारतीय सैनिकों और कम से कम चार चीनी सैनिकों की मौत हो गई थी। भारत के शीर्ष नेतृत्व ने कहा है कि एलएसी पर असामान्य स्थिति को दूर करने के लिए कदम उठाए जाने तक संबंधों को सामान्य नहीं किया जा सकता है।

कश्मीर में जी-20 के सफल आयोजन से भड़के फारुक अब्दुल्ला, पाकिस्तान से बातचीत का राग फिर अलापा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कश्मीर में जी-20 पर्यटन समूह की ऐतिहासिक और सफल बैठक से पूरी दुनिया में संदेश गया कि कश्मीर के बारे में जो दुष्प्रचार पाकिस्तान फैलाता रहता है वह गलत है। जी-20 समूह की बैठक के दौरान विदेशी प्रतिनिधियों ने देखा कि कैसे श्रीनगर स्मार्ट सिटी बन रहा है और कश्मीर के बाकी हिस्सों में भी विकास के काम तेजी से हो रहे हैं। लेकिन यह सब पाकिस्तान को और कश्मीर को बरसों तक लूटने वाले परिवारवादी दलों को पसंद नहीं आया। पाकिस्तान की ओर से पैदा की जाने वाली तमाम अड़चनों के बावजूद भारत ने कश्मीर में जी-20 का सफल आयोजन कर आतंक के मुँह पर करारा तमाचा मारा लेकिन नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारुक अब्दुल्ला को देश की यह उपलब्धि पच नहीं रही है। उन्होंने कहा है कि जी-20 बैठक से हमें सिर्फ इतना लाभ हुआ है कि सड़कें बन गयी हैं और स्ट्रीट लाइटें ठीक हो गयी हैं। फारुक अब्दुल्ला को अगर कश्मीर की उपलब्धि नहीं दिख रही है तो उन्हें बता दें कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद से कश्मीर विकास के पथ पर तो तेजी से आगे बढ़ ही रहा है साथ ही यहां पर्यटकों की संख्या के भी सभी पुराने रिकॉर्ड टूट रहे हैं। देशी-विदेशी पर्यटकों की आवक का अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि कश्मीर आने वाली हर फ्लाइट में बुकिंग मुश्किल से मिल रही है और मिल भी रही है तो टिकट काफी महंगे हो गये हैं क्योंकि हर कोई बस कश्मीर जाना चाहता है। लेकिन फारुक अब्दुल्ला और उनके गुपकार गैंग के सदस्यों को यह सब नहीं दिख रहा।

इसलिए फारुक अब्दुल्ला ने पाकिस्तान से बातचीत का राग एक बार फिर अलापते हुए कहा है कि कश्मीर में जी-20 कार्यक्रम आयोजित करने से घाटी में पर्यटन को तब तक लाभ नहीं होगा जब तक भारत और पाकिस्तान केंद्र शासित प्रदेश के ''भविष्य'' को बातचीत के जरिए नहीं सुलझाते। लेकिन यहां फारुक को समझना होगा कि पाकिस्तान से बातचीत आखिर कैसे हो सकती है। सीमापार से आतंकवाद को प्रश्रय दे रहे देश से बातचीत कैसे की जा सकती है? अभी गोवा में जब एससीओ विदेश मंत्रियों की बैठक हुई थी उसमें पाकिस्तानी विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने जिस तरह घुमा-फिरा कर कश्मीर का मुद्दा उठाया था क्या उसे अब्दुल्ला भूल गये हैं? अभी जी20 की बैठक के दौरान पीओके के मुजफ्फराबाद जाकर एक रैली को संबोधित करते हुए बिलावल ने कश्मीर और कश्मीरियों के बारे में जो कुछ कहा था क्या उसे अब्दुल्ला भूल गये हैं? दरअसल यह भूले कुछ भी नहीं हैं यह तो सब कुछ जानते समझते हुए भी पाक का राग अलापने वाले लोग हैं। जहां तक पाकिस्तान से बातचीत का सवाल है तो भारत का इस बारे में स्पष्ट रुख है जिसे हाल ही में एससीओ बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दोहराते हुए कहा था कि 'आतंकवाद के शिकार लोग आतंकवाद पर चर्चा करने के लिए आतंकवाद के अपराधियों के साथ नहीं बैठते हैं।'

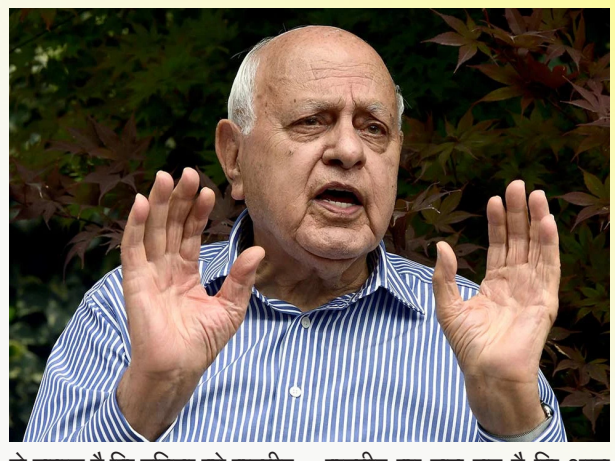

हम आपको यह भी बता दें कि फारुक अब्दुल्ला ने मीडिया से बातचीत के दौरान महबूबा मुफ्ती को पासपोर्ट मिलने से संबंधित सवाल पूछे जाने पर खुशी तो जताई ही साथ ही यह भी कहा कि अब वह दुनिया को जाकर कश्मीर का सच बता सकेंगी। यहां अब्दुल्ला

से सवाल है कि दुनिया को कश्मीर का कौन-सा सच महबूबा बताएंगी? कश्मीर का सच तो अभी जी20 बैठक के दौरान तमाम देशों के प्रतिनिधियों के साथ ही संयुक्त राष्ट्र से आये प्रतिनिधि भी देखकर गये हैं। कश्मीर का सच यह है कि अब्दुल्लाओं और मुफ्तियों के राज में कश्मीर ने आतंकवाद के दंश को झेला है। कश्मीर का सच यह है कि 370 हटने के बाद से यहां अन्याय, शोषण और भेदभाव को पूरी तरह खत्म कर दिया गया है। कश्मीर का सच यह है कि आज यहां विदेशी निवेश आ रहा है जो आर्थिक उन्नति का संकेत है। कश्मीर का सच यह है कि आज यहां जमीनी लोकतंत्र मजबूत हुआ है, नए उद्योग आ रहे हैं, तेजी से कृषि विकास गांवों को समृद्ध बना रहा है और बुनियादी ढांचा विकास तेजी से हो रहा है। कश्मीर का सच यह है कि पिछले साल रिकॉर्ड 1.8 करोड़ से अधिक पर्यटक यहां आये थे। कश्मीर का सच यह है कि इस बार के पर्यटन सीजन में पिछले साल का रिकॉर्ड टूटने के आसार हैं। कश्मीर का सच यह है कि पिछले साल यहां 300 से अधिक फिल्मों की शूटिंग हुई और करीब चार दशक के लंबे विराम के बाद जम्मू-कश्मीर ने बॉलीवुड के साथ अपने संबंध फिर से स्थापित कर लिए और इस साल भी यहां तमाम फिल्मों, धारावाहिकों और वेब सीरीज की शूटिंग चल रही है। कश्मीर का सच यह है कि यहां आतंकवाद और भ्रष्टाचार के मामलों में पहले की अपेक्षा बहुत कमी आई है। कश्मीर का सच यह है कि श्रीनगर में 'स्मार्ट सिटी मिशन' के तहत जल परिवहन और विद्युत चालित बस सेवा के अलावा पैदल यात्रियों के लिए 80 किलोमीटर लंबा पथ विकसित किया जा रहा है जोकि किसी भी भारतीय शहर के लिए एक अभूतपूर्व व्यवस्था होगी। कश्मीर का सच यह है कि श्रीनगर शहर में साइकिल ट्रैक, मजबूत सीवरेज प्रणाली तथा भूमिगत विद्युत नेटवर्क स्थापित किया जा रहा है। कश्मीर का सच यह है कि मोदी सरकार की प्रमुख योजनाओं में से एक स्मार्ट सिटी मिशन के तहत श्रीनगर शहर की 125 परियोजनाओं में से 55 परियोजनाओं का काम पूरा हो चुका है जबकि शेष काम साल के अंत तक पूरा करने की योजना है। कश्मीर का सच यह है कि यहां 100 इलेक्ट्रिक बसें आने वाली हैं। कश्मीर का सच यह है कि पूरे जम्मू-कश्मीर में रेल और सड़क परिवहन का ऐसा नेटवर्क बिछाया जा रहा है जिससे हर मौसम में कहीं भी आवाजाही सुनिश्चित हो सकेगी। ऐसे ही तमाम सच हैं आज के कश्मीर के। लेकिन सवाल यह है कि क्या अब्दुल्ला और मुफ्ती इस सच को स्वीकार करेंगे और विदेशों में जाकर इस सच को बताएंगे?

बहरहाल, जहां तक अब्दुल्ला के बयान की अन्य बड़ी बातों का सवाल है तो आपको बता दें कि उन्होंने यह भी कहा कि निर्वाचित सरकार नहीं होने के कारण जम्मू-कश्मीर को भारी नुकसान हो रहा है। जम्मू-कश्मीर में एक निर्वाचित सरकार की कमी पर अब्दुल्ला ने कहा, 'लोकतांत्रिक व्यवस्था तब होती है जब एक निर्वाचित सरकार हो। केवल एक राज्यपाल और उनके सलाहकार पूरे राज्य को नहीं संभाल सकते। लोकतंत्र में एक विधायक होता है, जो अपने संबंधित क्षेत्रों की देखरेख करते हैं क्योंकि यह उनका कर्तव्य है। अफसरशाही को इन सब बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि वे 60 साल की उम्र तक सेवानिवृत नहीं होते, जबकि एक विधायक को हर पांच साल में जनता के पास वापस जाना होता है, अगर वे काम नहीं करेंगे तो उन्हें वोट नहीं मिलेंगे। इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि यहां चुनाव होने चाहिए।' श्रीनगर से लोकसभा सदस्य अब्दुल्ला ने कहा कि उनकी पार्टी किसी भी समय चुनाव के लिए तैयार है।

प्रियंका को मिली आमिर की 'बेटी', जीवन के संघर्ष की सच्ची कहानी

मुम्बई। कुछ समय पहले ये ख़बर आई थी कि प्रियंका चोपड़ा आमिर खान के साथ अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा के जीवन पर बनने वाली फिल्म में काम करेंगी त आमिर फिल्म से हट गए तो प्रियंका ने भी कदम पीछे खींच लिए त लेकिन आमिर और प्रियंका का कनेक्शन एक संयोग से बन गया है क्योंकि वापसी के बाद प्रियंका की दूसरी फिल्म में आमिर खान की फिल्मी बेटी ज़ायरा वसीम को अहम् रोल मिला है त पिछले दिनों ख़बर आई थी कि प्रियंका चोपड़ा अब अपने ब्लफमास्टर और दोस्ताना को-स्टार अभिषेक बच्चन के साथ काम करने जा रही हैं। ये फिल्म, मार्गरीटा विथ अ स्ट्रा की निर्देशक शोलानी बोस डायरेक्ट करेंगी। फिल्म की कहानी एक सच्ची घटना पर आधारित होगी। प्रियंका और अभिषेक एक ऐसी बच्ची के माँ बाप की भूमिका में होंगे जो ग्स्स्ल्हा ्ग्मिगहम्ब्ेर्दी (रोग प्रतिरोधी क्षमता में कमी) से ग्रसित है। इसी से जुड़ी अगली ख़बर ये है कि प्रियंका और अभिषेक इस फिल्म में जिस बेटी के माता-पिता होंगे वो रोल ज़ायरा वसीम को दिया गया हैत वही ज़ायरा जो दंगल में आमिर खान की बेटी(गीता फोगाट के बचपन) के रोल में थीं और बाद में आमिर खान के प्रोडक्शन की फिल्म सीक्रेट सुपरस्टार की हीरोइन त जानकारी के मुताबिक ज़ायरा ने पिछले दिनों स्क्रिप्ट सुनी और उन्हें बेहद पसंद आई त हालांकि इस ख़बर पर अभी आधिकारिक मुहर नहीं लगी है इस फिल्म को रॉनी स्क्रूवाला और सिद्धार्थ रॉय कपूर प्रोड्यूस करेंगे। फिल्म का प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू हो गया है और जैसे ही प्रियंका और अभिषेक अपने अपने कमिटमेंट को ख़त्म कर लेंगे वो इस फिल्म को शुरू कर सकेंगे । फिल्म में बच्ची की भूमिका के लिए अभी कास्टिंग की जानी है । वैसे इस बारे में अभी कोई घोषणा नहीं की गई है त टिवटर पर इस जानकारी को रॉनी स्क्रूवाला ने अपने ऑफिशियल टिवटर हैंडल से री-टिवट किया है, जिसे देख कर ये माना जा सकता है कि प्रियंका और अभिषेक ने इस फिल्म के लिए हां कर दी है बता दें कि प्रियंका की वापसी वाली फिल्म भारत को अली अब्बास ज़फर डायरेक्ट कर रहे हैं और अतुल अग्निहोत्री प्रोड्यूस करेंगे त फिल्म भारत एक मेच्योर लव स्टोरी है और कहा जा रहा है कि प्रियंका का रोल इस फिल्म में बेहद अहम् होगा। सुल्तान और टाइगर ज़िंदा है के डायरेक्टर अली अब्बास ज़फर अगले साल ईद में फिल्म भारत लेकर आने वाले हैं। फिल्म में प्रियंका अकेली हीरोइन नहीं होंगी त फिल्म के लिए दिशा पटानी को भी साइन किया गया है प्रियंका और सलमान ने अब तक मुझसे शादी करोगे , सलाम-ए-इश्क़ और गॉड तुस्सी ग्रेट हो में साथ काम किया है। अली के साथ उनकी 'गुंडे' भी हिट रही है। भारत, अब उनके स्टैण्डर्ड के हिसाब से भी बेहतर फिल्म होगी। 'भारत', कोरियन फिल्म 'ओड टू माई फादर ' का भारतीय संस्करण है। प्रियंका के टीवी शो का तीसरा सीज़न ख़त्म हो रहा है और उनकी दूसरी हॉलीवुड फिल्म अ किड लाइक जैक एक जून से रिलीज़ हो रही है। इस फिल्म में प्रियंका ने सिंगल मदर का कैमियो किया है त उनकी तीसरी हॉलीवुड फिल्म इजंट इट रोमांटिक ? अगले साल वेलेंटाइन डे के मौके पर रिलीज़ होगी।

46 साल में भी एशिया के सबसे सेक्ससिएस्ट मैन है ऋतिक, कैसे रहते हैं इतना फिट?

मुम्बई। बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन वो एक्टर हैं जिन्होंने अपनी एक्टिंग और डांसिंग के दम पर पूरी दुनिया में नाम कमाया हैं। ऋतिक रोशन इसके अलावा अपनी फिटनेस के लिए भी जाने जाते हैं। ऋतिक रोशन 46 साल के है लेकिन उनकी फूर्ती आज भी 18 साल के लड़को वाली हैं। शरीर के किसी भी भाग मे फेट नाम की कोई चीज नहीं हैं और न ही कोई समस्या हैं। हाल ही में ऋतिक रोशन की फिल्म वॉर रिलीज हुई थी जो 2019 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी। फिल्म में ऋतिक रोशन का एक्शन और फिटनेस देखकर हर कोई दंग रह गया था। हर कोई जानना चाहता है कि आखिर ऋतिक रोशन इतने फिट कैसे रहते हैं। ऋतिक रोशन ने अपनी फिटनेस का खुलासा कर दिया हैं। हाल ही में ऋतिक रोशन ने एक वीडियो अपलोड किया है जिसमें उन्होंने अपना फिटनेस से जुड़ा राज खोला हैं। अभिनेता ऋतिक रोशन लॉकडाउन के दौरान भी पहले स्वास्थ्य और फिटनेस बनाए रखते हैं। शुक्रवार को उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक नई पोस्ट साझा की कि कैसे उन्होंने 23 घंटे का उपवास किया। ऋतिक ने शुक्रवार को एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें तस्वीर शेयर करने के साथ उन्होंने लिखा है कि 23 घंटे का उपवास। हैशटैग हेल्दी लिविंग। सिर्फ ऋतिक ही नहीं, बल्कि अक्षय कुमार, आमिर खान, सैफ अली खान और यहां तक कि फिल्म निर्माता करण जौहर जैसे अन्य कलाकारों ने लॉकडाउन के लिए नमक और काली मिर्च के लुक के साथ खुद की तस्वीरें साझा की हैं।

लेखक रवि बुले की 'आखेट' का ट्रेलर रिलीज, बाघ के शिकार पर बनी है फिल्म

मुम्बई। बाघ के शिकार पर बनी लेखक रवि बुले की 'आखेट' का ट्रेलर आज रिलीज कर दिया गया है। बाघ दिवस के मौके पर फिल्म की टीम ने वीडियो आउट किया है। बता दें कि 1900-10 की अवधि में जहां एक लाख बाघ थे वहीं अब इनकी संख्या घटकर 2800 रह गई। पिछले दिनों एक बाघिन की मौत का मामला सुखिर्यों रहा जिस पर कानूनी कार्रवाई भी शुरू हो गई है। मुंबई के लेखक-निर्देशक रवि बुले की यह पहली फिल्म एक पुराने रसूखदार-रईस परिवार के व्यक्ति नेपाल सिंह की कहानी है, जिसके अमीर पुरखों ने सैकड़ों बाघों का शिकार किया था। नेपाल सिंह को दुख है कि शिकारियों के खानदान में पैदा होने के बाजवूद वह आज तक बाघ का शिकार नहीं कर पाया। वह एक दिन बाघ के शिकार का फैसला करता है और जंगल की तरफ निकल पड़ता है। फिल्म बाघ के शिकार और इसके पेशे से जुड़े लोगों की जिंदगी के रहस्यों से पर्दे उठाती है तथा शिकार को खेल समझने वाले लोगों की मानसिकता को भी सामने लाती है। आखिर में फिल्म कई रोचक तथ्यों के साथ एक सकारात्मक संदेश भी देती है। फिल्म का निर्माण आशुतोष पाठक ने किया है और फिल्म की शूटिंग झारखंड के पलामू स्थित घने जंगलों में की गई। फिल्म कोलकाता में रहने वाले हिंदी के चर्चित युवा लेखक कुणाल सिंह की कहानी आखेटक पर आधारित है। एपी मूव्हीटोन्स बैनर तले बनी फिल्म में आशुतोष पाठक, नरोत्तम बेन और तनिमा भट्टाचार्य मुख्य भूमिकाओं में हैं।

जब रेखा ने भरी महफ़िल में आमिर खान का मजाक बनाया

मुम्बई। बॉलीवुड के एक बड़ी अदाकारा है रेखा। इन्हें किसी का मज़ाक उड़ाने में बहुत ही मज़ा आता है। इन्होने अमिताभ बच्चन तक नहीं छोड़ा है, जबकि एक ज़माने में रेखा और अमिताभ बच्चन की खूब बनती थी। रेखा को जितना उनकी खूबसूरती के लिए जाना जाता है उतना ही उनकी खिचाई के लिए भी उन्हें जाना जाता है। रेखा को जब भी मौक़ा मिलता है वे किसी की भी तंग खीचने से बिलकुल बाज़ नहीं आती। हाल ही में रेखा ने आमिर खान का मज़ाक उड़ाया, हालाकि आमिर खान ने इसे इग्नोर किया। बता दे कि, जब आमिर खान ने अपनी फिल्म दंगल का स्क्रीनिंग रखा था तो और सितारों के साथ रेखा भी इस महफ़िल में आमंत्रित थी। जैसे ही रेखा आमिर खान के पास पहुची वैसे ही वे फोटो खिचवाते समय आमिर खान से थोड़ा झुक गई। ऐसा करने का मकसद रेखा का साफ़ था। वे आमिर खान बताना चाहती थी कि, वे आमिर खान से हाईट में लम्बी है। आमिर खान की हाइट 5। 4 फीट है। जबकि रेखा उनसे 2 इंच लंबी हैं।डइसे भी पढ़ेंः काबिल ऋतिक रोशन के बाद अजय देवगन भी निभाएंगे अंधे का किरदार.ये सारी बातें सिर्फ मज़ाक है, और रेखा को मज़ाक करना बेहद पसंद है। वैसे क्या पाको पता है कि रेखा और आमिर खान साथ एक फिल्म में काम भी कर चुके है। वो बात अलग है कि, फिल्म रिलीज ही नहीं हुई। जी हाँ, बहुत ही कम लोग ये जानते है कि, आमिर खान ने रेखा के साथ टाइम मशीन फिल्म में काम किया है। इस फिल्म में आमिर खान ने रेखा और नसरुद्दीन शाह के बेटे का रोल किया था। फिल्म 1992 में बनाई गई थी और इस फिल्म को शेखर कपूर ने डायरेक्ट किया था।डइसे भी पढ़ेंः बिग बॉस 10ः दबंग सलमान खान ने प्रियंका जगगा को निकाला घर से और कलर्स चैनल को दी धमकी.आर्थिक कमी के चलते फिल्म रिलीज नहीं पाई लेकिन शेखर कपूर अभी भी इस फिल्म को रिलीज करने का सपना सजोएँ हुए है।

देशभक्ति फिल्मों के बाद विक्की कौशल करना चाहते हैं ये काम, इस अंदाज में आएंगे नजर

मुम्बई। बॉलीवुड एक्टर विक्की कौशल इनदिनों बी टाउन फिल्ममेकर की पहली पसंद बने हुए हैं। फिल्म उरी में अपनी एक्टिंग से सबका दिल जीतने वाले विक्की जल्द ही कुछ और फिल्मों में भी देशभक्त के रोल में नजर आएंगे लेकिन विक्की अब पर्दे पर कुछ और रंग जमाना चाहते हैं। बता दें कि विक्की मेघना गुलजार की, फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के जीवन पर आधारित फिल्म की शूटिंग की शुरुआत 2021 में करेंगे। विक्की ने हाल ही में अपनी इच्छा जाहिर करते हुए कहा है कि वह रोमांटिक फिल्में करना चाहते हैं। रोमांटिक किरदार को लेकर अभिनेता ने कहा कि मै वास्तव में ऐसी फिल्में करना चाहता हूं। अगर मुझे ऐसी फिल्मों के लिए अच्छे प्रस्ताव मिलते है तो मै जरूर काम करना चाहूंगा। दर्शक मुझे पर्दे पर रोमांस करता हुआ देख सकेंगे, क्योंकि हर फिल्म में एक रोमांटिक एंगल होता है, लेकिन उसकी सीमा क्या होगी, ये मै नहीं कह सकता। उरी एक्टर ने आगे बताया कि फील्ड मार्शल मानेकशॉ, जो सैम बहादुर के नाम से लोकप्रिय हैं। उनका जन्म 3 अप्रैल 1914 को अमृतसर में हुआ था। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मेरे माता-पिता पंजाब से ताल्लुक रखते है। उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच हुए 1971 के युद्ध को करीब से देखा है।

कोरोना बना अक्षय का विलेन, एक्शन हीरो की फंसी ये 7 बड़ी फिल्में

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की वजह से कोई नई फिल्में रीलीज ही नहीं हो रही है। लोग इस लॉकडाउन में वेब सीरीज देख कर अपना मन बहला रहे है। लेकिन जो मजा थियेटर में रीलीज नई मूवी को देख कर होता है वो घर बैठे फोन पर देखने में कहा। आपको बता दें कि साल 2020 शुरू होते ही बॉलीवुड की कई फिल्में रीलीज होने वाली थी लेकिन कोरोना महमारी के कारण हर साल अपनी फिल्मों से लोगों का दिल जीतने वाले एक्शन हीरो अक्षय कुमार की 7 बड़ी फिल्में बीच में ही फंसी गई हैं। कोरोना संकट में लोगों की मदद करने वाले अक्षय कुमार को इस समय सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। कोरोना लॉकडाउन के कारण थियेटर बंद है जिसकी वजह से ऑनलाइन प्लैटफॉर्म्स का अब लोग ज्यादा इस्तेमाल करने लग गए है। आइये जानते हैं कि अक्षय की वो 7 फिल्में कौन सी है जिसको देखने के लिए आपको थोड़ा और सबर करना पड़ेगा। 1- अक्षय कुमार की पहली फिल्म जिसका कई लोगों को इतजार था वो है सूर्यवंशी। बता दें कि रोहित शेट्टी की ये फिल्म मार्च 2020 में आने वाली थी। लेकिन कोरोना महमारी के कारण ये फिल्म रूक गई है और अब शायद लोगों को इस फिल्म का और इंतजार करना पड़ेगा। 2- अक्षय कुमार की लक्ष्मी बॉम्ब का दर्शकों को काफी इंतजार

था, इस फिल्म में अक्षय अपने अलग ही अवतार में देखने को मिलेंगे।अटकलें भी लगाई जा रही हैं कि शायद इस फिल्म को किसी ऑनलाइन प्लैटफॉर्म पर जारी किया जाएगा लेकिन इसको लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। इस फिल्म में अक्षय के साथ कियारा अडवाणी भी मुख्य भूमिका में है। 3-अक्षय की बेल बॉटम फिल्म के पोस्टर से आप लोगों ने ये अनुमान लगा लिया होगा कि ये फिल्म भी कितनी रोमाचंक होगी। बता दें कि इस फिल्म को इस साल के अंत तक रीलीज करने का सोच रहे हैं लेकिन कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए अभी कुछ भी कहना असंभव है। 4- पृथ्वीराज फिल्म की खासियत ये है कि इसमें मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर अपना डेब्यू करने वाली है, वो भी एक्शन हीरो अक्षय कुमार के साथ। ऐतिहासिक फिल्मों में हमेशा अपना सुपर हीट देने वाले अक्षय कुमार की ये फिल्म भी सबसे बड़ी फिल्मों में से एक मानी जा रही है। इस दीवाली पर रीलिज होने वाली ये फिल्म अब कब देखने को मिलेगी ये कहना मुश्किल है। 5- रोमांटिक फिल्मों से लोगों का दिल जीतने वाले आनंद एल राय की रांझणा फिल्म ने दर्शकों को रूला दिया था अब ऐसी ही एक और रोमांटिक फिल्म अतरंगी रे आने वाली हैं। इस फिल्म में सारा अली खान, अक्षय कुमार और रांझणा फिल्म के लीड हीरो धनुष होंगे। एक तरफ अक्षय की एक्टिंग तो दूसरी तरफ धनुष का रोमांस, इस फिल्म को लेकर दर्शक काफी बेताब है। लेकिन कोरान लॉकडाउन के कारण इस फिल्म की शूटिंग को बीच में ही रोकना पड़ गया है।

6- अक्षय कुमार की बच्चन पांडे भी इस साल की बड़ी फिल्मों में से एक मानी जा रही है। इस फिल्म में अक्षय कुमार का लुक काफी खतरनाक सा है। उनके इस लुक को देख दर्शकों को भी फिल्म का काफी इंतजार हैं। बता दें कि इस फिल्म के मेकर्स मार्च में ही इसको रीलीज करने वाले थे लेकिन अब ये फिल्म भी बीच में अटक कर रह गई है। 7- कॉमेडी फिल्मों के राजा अक्षय कुमार इस साल एकता कपूर की एक ऐक्शन कॉमेडी फिल्म में भी काम कर रहे हैं। इस फिल्म का नाम अभी बताया नहीं गया है लेकिन ये बता सकते है कि ये फिल्म साउथ की एक फिल्म का रीमेक होने वाला है।

मदर इंडिया की राधा नर्गिस दत्त

मुम्बई। नर्गिस का जन्म 1 जून 1929 को कोलकाता में हुआ. वह हिन्दी सिनेमा की महान अभिनेत्रियों में से एक है। नर्गिस मशहूर गायिका जद्दनबाई की पुत्री थीं। कला नर्गिस को विरासत में मिली थी और सिर्फ छह साल की उम्र में नर्गिस ने फ़िल्म तलाशे हक (1935) से अभिनय की शुरुआत कर दी थी। फ़िल्म मदर इंडिया में राधा की भूमिका के जरिए भारतीय नारी को एक नया और सशक्त रूप देने वाली नर्गिस हिंदी सिनेमा की महानतम अभिनेत्रियों में से एक थीं, जिन्होंने लगभग 2 दशक लंबे फ़िल्मी सफर में दर्ज़नों यादगार एवं संवदेनशील भूमिकाएँ की और अपने सहज अभिनय से दर्शकों का मनोरंजन किया। मदर इंडिया में राधा की भूमिका के लिए नर्गिस को फ़िल्म फेयर सहित कई पुरस्कार मिले। इसी फ़िल्म में शूटिंग के दौरान अभिनेता सुनील दत्त ने आग से उनकी जान बचाई थी और बाद में दोनों परिणय सूत्र में बँध गए। शादी के बाद नर्गिस ने अभिनय से नाता तोड़ लिया और लाजवंती, अदालत, यादें, रात और दिन जैसी कुछेक फ़िल्मों में ही अभिनय किया। नर्गिस ने मदर इंडिया के अलावा आवारा, श्री 420, बरसात, अंदाज, लाजवंती, जोगन परदेशी, रात और दिन सहित दर्ज़नों कामयाब फ़िल्मों में बेहतरीन अभिनय किया। राजकपूर के साथ उनकी जोड़ी विशेष रूप से सराही गई और दोनों की जोड़ी को हिंदी फ़िल्मों की सर्वकालीन सफल जोड़ियों में से गिना जाता है। सिनेप्रेमियों ने इस जोड़ी की फ़िल्मों को खूब पसंद किया। इस जोड़ी की हिट फ़िल्मों में आग, बरसात, आह, आवारा,

श्री 420, चोरी-चोरी, जागते रहो शामिल हैं। उनकी कई फ़िल्मों में राजकपूर और दिलीप कुमार नायक थे। 1940 और 50 के दशक में उन्होंने कई फ़िल्मों में काम किया और 1957 में प्रदर्शित महबूब खान की फ़िल्म मदर इंडिया नर्गिस की सर्वाधिक चर्चित फ़िल्मों में रही। इस फ़िल्म को ऑस्कर के लिए नामित किया गया था। नर्गिस को पद्मश्री सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले। इनमें फ़िल्मफेयर पुरस्कार के अलावा फ़िल्म रात और दिन के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनय का राष्ट्रीय पुरस्कार शामिल है। उन्हें 1957 में फ़िल्मफ़ेयर सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री पुरस्कार फ़िल्म मदर इंडिया, 1958 में कार्लोवी अंतराष्ट्रीय फ़िल्म महोत्सव वरी में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए पुरस्कार फ़िल्म मदर इंडिया, 1958 में पद्मश्री और 1968 में राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री फ़िल्म रात और दिन के लिए मिला.अभिनय से अलग होने के बाद नर्गिस सामाजिक कार्य में जुट गईं। नर्गिस ने पति सुनील दत्त के साथ अजंता आटर्स कल्चरल ट्रूप की स्थापना की। यह दल सीमाओं पर जाकर जवानों के मनोरंजन के लिए स्टेज शो करता था। इसके अलावा वे स्पास्टिक सोसाइटी से भी जुड़ी रहीं। बाद में नर्गिस को राज्यसभा के लिए भी नामित किया गया, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था।

कैटरीना कैफ नहीं बल्कि इन्हें सबसे बेहतरीन एक्ट्रेस मानते हैं सलमान खान

मुम्बई। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान ने इंडस्ट्री में इस गेनरेशन की कई एक्ट्रेस के साथ काम किया है। इनमें कैटरीना कैफ, अनुष्का शर्मा जैसी कई एक्ट्रेस का नाम शामिल है लेकिन हाल ही में सलमान खान ने एक ऐसी बात बोली है जो शायद कैटरीना और अनुष्का को थोड़ी सी बुरी लग सकती है। दरअसल, सलमान खान हाल ही में माधुरी दीक्षित के शो डांस दीवाने में पहुंचे थे और यहां पर उन्होंने कहा कि उनके मुताबिक जैकलीन इस पीढ़ी की सबसे बेहतरीन एक्ट्रेस हैं। डांस शो में दोनों अपनी फिल्म के गाने हीरिए पर भी थिरकते हुए नजर आए।शो की जज माधुरी दीक्षित के साथ बातचीत के दौरान जैकलिन ने 'एक दो तीन' गीत को रीक्रिएट करने पर अपनी भावनाएं जाहिर की। जैकलिन ने कहा, 'उन्हें नहीं पता था कि भगवान उन पर इतना मेहरबान होंगे कि उन्हें 'एक दो तीन' जैसे प्रतिष्ठित गीत गाने और उस पर डांस करने का मौका

मिलेगा।' इससे पहले जैकलिन अपनी बात पूरी कर पाती, सलमान ने तुरंत उन्हें रोका और कहा कि वह इस पीढ़ी की सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री हैं। सलमान खान ने यह भी कहा, 'मौजूदा पीढ़ी में आपसे बेहतर कोई और नहीं है।' आपको बता दें सलमान और जैकलीन ने इससे पहले फिल्म किक में साथ काम किया है और दोनों की एक साथ यह दूसरी फिल्म है। बता दें, फिल्म का निर्देशन रेमो डीसूजा ने किया है और फिल्म में सलमान और जैकलीन के अलावा बॉबी देओल, डेजी शाह, अनिल कपूर और साकिब सलीम जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म के ट्रेलर को कुछ वक्त पहले ही रिलीज किया गया था, जिसके साथ ही फिल्म की टीम ने अपनी फिल्म को प्रमोट करने का काम भी शुरू कर दिया। फिल्म के रोमांटिक ट्रेक हीरिए को भी रिलीज कर दिया गया है और इस गाने को दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। यह फिल्म 15 जून को रिलीज होगी।

ऐश्वर्या राय बच्चन की बेमिसाल खूबसूरती की मिसाल उनकी मां हैं

मुम्बई। ऐश्वर्या राय बच्चन एक ऐसी एक्ट्रेस है जिसको किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है। बॉलीवुड दिवा ऐश्वर्या लगभग दो दशकों से लाखों लोगों के दिलों पर राज कर रही हैं और आज भी लोग उनकी खूबसूरती के वैसे ही दिवाने हैं। पूर्व मिस वर्ल्ड ऐश्वर्या ने 1997 में दक्षिण फिल्मों के मशहूर निर्देशक मणि रतन्म द्वारा अभिनीत तमिल फिल्म इरुवर के साथ फिल्म उद्योग में अपनी यात्रा शुरू की। इस फिल्म के बाद उन्होंने बॉलीवुड में अपना करियर शुरू किया तब से लेकर आज तक ऐश्वर्या ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। सफलता की सीढ़ियां लगातार उनके आगे बिछती चली गई। आज ऐश्वर्या को फिल्मी दुनिया के सबसे लोकप्रिय सेलेब्स में से एक माना जाता है। फिल्म ऐ दिल है मुश्किल में जिस तरह से ऐश्वर्या राय ने कमबैक किया वह सच में काबिले तारीफ था। ऐश अपनी खूबसूरती के साथ-साथ अपनी आंखों और फैशन सेंस के लिए भी जानी जाती हैं। ऐश्वर्या चाहे भारतीय परिधान में साड़ी या सूट पहने या फिर कोई पश्चिमी पोशाक, वह हर लुक में कमाल लगती हैं। ऐश्वर्या की ये बेमिसाल खूबसूरती आखिर कहा से आयी हैं। ऐश की एक थ्रोबैक तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। ये तस्वीर तक की है जब ऐश्वर्या इंडस्ट्री का कोई बड़ा चेहरा नहीं थी। इस तस्वीर में ऐश अपनी मां वृंदा राय के साथ एक कार्यक्रम में भाग ले रही हैं। ऐश को ये खूबसूरती और आंखें उसकी से ही मिली हैं। ऐश्वर्या राय की उसकी मां के साथ ये तस्वीर काफी वायरस हो रही हैं। इस तस्वीर में भी ऐश्वर्या कमाल की खूबसूरत लग रही हैं। उन्होंने ब्लू कलर की ड्रेस पहनी हुई हैं और उसके मैचिंग की ज्वैलरी। तस्वीर में उनकी मां भी साथ है जिन्होंने साड़ी पहनी हुई हैं। जिस तरह ऐश्वर्या की मां ने उनका ख्याल रखा हैं ठीक वैसे ही ऐश भी अपनी बेटी आराध्या की ख्याल रखती हैं।

विज्ञापन प्रतिनिधि
श्री सुजीत कुमार
मो. 7007632314

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।